हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 28, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 26 जुलाई, 2023 दिन बुधवार | गाजीपुर/वाराणसी

पीएम मोदी का विपक्ष पर बड़ा हमला, संसदीय दल की बैठक में बोले- इंडियन मुजाहिदीन नाम में भी इंडिया है

नई दिल्ली। संसद में जारी गतिरोध के बीच मंगलवार को भाजपा के संसदीय दल की बैठक हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने विपक्ष के नए नाम INDIA पर तंज कसा और कहा कि ईस्ट इंडिया कंपनी में भी इंडिया था और इंडियन मुजाहिदीन में भी इंडियन है लेकिन सिर्फ इंडिया नाम रखने से इंडिया नहीं हो जाता। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष पूरी तरह से दिशाहीन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष हताश और निराश है और उसके आचरण से पता चलता है कि उन्होंने लंबे समय तक विपक्ष में रहने का ही मन बना लिया है। ईस्ट इंडिया कंपनी और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया जैसे नामों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केवल देश का नाम इस्तेमाल करके ही लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 'विपक्षी पार्टियों ने इंडिया नाम, लोगों को गुमराह करने के लिए रखा है। विपक्ष, सत्ता में नहीं आना चाहता। लोगों को गुमराह करने के लिए ही इंडिया नाम का इस्तेमाल किया जा रहा है। ईस्ट इंडिया कंपनी में भी इंडिया है....विपक्ष दिशाहीन है। ऐसा लग रहा है कि विपक्ष ने मन बना लिया है कि उन्हें लंबे समय तक विपक्ष में ही रहना है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया में भारत की छवि काफी बेहतर हुई है और हम इस दिशा में काम करने के लिए समर्पित हैं। प्रधानमंत्री ने अमृत काल के खत्म होने तक यानी 2047 में तक हम देश को विकसित देश बनाएंगे। देशवासियों को हमसे बड़ी उम्मीदें हैं और विपक्ष ये बात जानता है कि वह सत्ता में नहीं आने वाला। पीएम ने कहा कि आने वाले दिनों में विपक्ष और टूटेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि लोगों के समर्थन से 2024 के चुनाव में भी भाजपा सत्ता में आएगी। अगले कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सदन में विपक्ष के हमलों का जवाब देने के लिए रणनीति बनाने के लिए भाजपा ने संसदीय दल की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में ही पीएम मोदी ने विपक्ष पर तीखे हमले किए। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि हमें अपने पीएम पर गर्व है। हम 2024 में सत्ता में वापस आ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना विदेशी नागरिकों ने की थी। आज लोग इंडियन मुजाहिदीन और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया जैसे नामों का इस्तेमाल करते हैं लेकिन ये चेहरे कुछ दिखाते हैं और सच्चाई कुछ और है।

'आप हमें जो चाहें बुलाएं, लेकिन हम INDIA हैं', पीएम मोदी के बयान पर राहुल गांधी का पलटवार

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने विपक्षी दलों के गठबंधन का 'INDIA' नाम रखने पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ईस्ट इंडिया कंपनी में भी इंडिया है और इंडियन मुजाहिद्दीन में भी इंडियन है। सिर्फ नाम रख लेने से क्या होता है। वहीं, अब राहुल गांधी ने पीएम मोदी के बयान पर पलटवार किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा है कि आप हमें जो चाहें बुलाएं, लेकिन हम INDIA हैं"। पीएम मोदी ने विपक्षी दलों के 'INDIA' गठबंधन पर निशाना साधा था। उन्होंने बीजेपी संसदीय दल की बैठक में कहा कि 'INDIA' गठबंधन देश में अब तक का सबसे दिशाहीन गठबंधन है। उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी और इंडियन मुजाहिदीन जैसे नामों का हवाला देते हुए कहा कि केवल देश के नाम के इस्तेमाल से लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भाजपा संसदीय दल की बैठक में कहा कि विपक्ष का आचरण ऐसा रहा है, मानो उसने लंबे समय तक विपक्ष में रहने का फैसला कर लिया हो। वहीं, पीएम मोदी पर पलटवार करते हुए राहुल गांधी ने ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि आप हमें जो चाहें बुलाएं, पीएम मोदी, लेकिन हम INDIA हैं।

ज्ञानवापी मामले में हाईकोर्ट ने रखा फैसला सुरक्षित, 28 अगस्त को आएगा निर्णय

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद और विश्वेश्वर मंदिर विवाद मामले में फैसला सुरक्षित कर लिया है। कोर्ट 28 अगस्त को अपना फैसला सुनाएगी। इसके पहले सुनवाई शुरू होते ही कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनी और अपना फैसला सुरक्षित कर लिया। यह सिलसिला अप्रैल 2021 से चल रहा है। 27 महीने 13 दिन में तीन आदेश पारित हुए और उनपर रोक लगी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 मई 2023 को ज्ञानवापी स्थित वजूखाना में मिली शिवलिंग जैसी आकृति की कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक सर्वेक्षण का आदेश दिया था। कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक सर्वेक्षण का काम शुरू किए जाने से पहले ही 19 मई 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पर रोक लगा थी। इसी तरह आठ अप्रैल 2021 को वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी परिसर के सर्वे का आदेश एएसआई को दिया था। सर्वे का काम शुरू होने से पहले ही सितंबर 2021 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उस पर रोक लगा दी थी। अब जिला जज की अदालत ने ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वे आदेश दिया था। इस पर कल सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी थी।

लोकसभा में जैव-विविधता पर बिल पास, विपक्ष का हंगामा जारी, ओम बिरला बोले- नारे लगाना समाधान नहीं

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में विपक्ष का हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा है। मणिपुर में हिंसा पर विपक्षी दलों के विरोध के बीच लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार शाम पांच बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच लोकसभा में आज जैव विविधता संशोधन बिल पर चर्चा हुई और सदन ने जैविक विविधता (संशोधन) विधेयक पारित कर दिया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि यह विधेयक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया जलवायु परिवर्तन, मरुस्थलीकरण और पारिस्थितिक असंतुलन के तिहरे संकट का सामना कर रही है। जैविक विविधता (संशोधन) विधेयक 16 दिसंबर, 2021 को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव द्वारा संसद में पेश किया गया था। यह विधेयक जैविक विविधता अधिनियम, 2002 में संशोधन करेगा। इस को 20 दिसंबर, 2021 को एक संयुक्त समिति में स्थानांतरित कर दिया गया था, क्योंकि बिल में चिंता जाहिर की गई थी इसके कुछ प्रावधान उद्योगों के पक्ष में है। संयुक्त समिति ने 2 अगस्त, 2022 को संसद में अपनी रिपोर्ट इस सिफारिश के साथ प्रस्तुत की कि उनकी सिफारिशों को शामिल करने के बाद विधेयक को पारित किया जा सकता है। कई सांसदों ने विधेयक में संशोधन के फायदों पर बात की और कहा कि इसके लाभ में जैव-विविधता को कंपनी अधिनियम के साथ जोड़ना भी शामिल है। मणिपुर में हिंसा को लेकर विपक्षी दल लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं और पीएम मोदी मणिपुर मुद्दे पर बोलने और केंद्र सरकार संसद में चर्चा के लिए बोल रहे हैं। वहीं मंगलवार को भी जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सदस्य मणिपुर का मुद्दा उठाते हुए नारे लगाने लगे। अध्यक्ष ओम बिरला ने विरोध कर रहे सदस्यों से नारेबाजी नहीं करने को कहा और उनसे अपनी सीटों पर वापस जाने का अनुरोध किया। ओम बिरला ने सदस्यों से कहा कि नारे लगाने से मुद्दों का कोई समाधान नहीं होगा, वे प्रश्नकाल की अनुमति दें क्योंकि महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी है। विरोध जारी रहने पर कार्यवाही को स्थगित कर दिया।

चीन के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा युद्धाभ्यास शुरू, 11 देशों की सेनाएं ले रहीं हिस्सा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा युद्धाभ्यास शुरू हो गया है। इस युद्धाभ्यास में अमेरिका समेत 11 देशों के 30 हजार से ज्यादा सैनिक हिस्सा ले रहे हैं। भारत समेत चार देश इस युद्धाभ्यास के ऑब्जर्वर हैं। बता दें कि इस युद्धाभ्यास को चीन की चुनौती से निपटने के तौर पर देखा जा रहा है। बता दें कि चीन लगातार हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को बढ़ा रहा है, यही वजह है कि इस युद्धाभ्यास को बेहद अहम माना जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में विभिन्न स्थानों पर हो रहे इस युद्धाभ्यास में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका के साथ ही फिजी, फ्रांस, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, टोंगा, ब्रिटेन, कनाडा और जर्मनी के सैनिक हिस्सा ले रहे हैं। वहीं भारत, सिंगापुर, फिलीपींस और थाइलैंड इस युद्धाभ्यास के ऑब्जर्वर हैं। खास बात ये है कि अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया विवादित ताइवान स्ट्रेट में भी युद्धाभ्यास करेंगे। यहीं पर चीन ने बीते दिनों युद्धाभ्यास किया था। ऑस्ट्रेलिया अमेरिका के ताइवान स्ट्रेट में युद्धाभ्यास से चीन नाराज हो सकता है। उल्लेखनीय है कि हिंद प्रशांत महासागर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम है। दुनिया का 80 प्रतिशत व्यापार इसी क्षेत्र से होता है। ऐसे में अगर इस क्षेत्र में अस्थिरता या सुरक्षा को लेकर कोई दिक्कत होती है तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा और सप्लाई चेन बाधित हो सकती है। यूक्रेन युद्ध की वजह से यह पहले ही बाधित चल रही है। ऑस्ट्रेलिया में हो रहे युद्धाभ्यास को तलिसमन सेब्रे नाम दिया गया है। यह युद्धाभ्यास हर दो साल में होता है और साल 2005 से इसकी शुरूआत हुई थी। इस साल यह युद्धाभ्यास इसलिए खास है क्योंकि इस बार का युद्धाभ्यास सबसे बड़ा है। चीन ने ऑस्ट्रेलिया में हो रहे युद्धाभ्यास पर निशाना साधा है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स के एक लेख में इस युद्धाभ्यास को कागज के शेर बताया। चीनी विशेषज्ञों का आरोप है कि अमेरिका सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के नाम पर देशों पर दबाव बना रहा है और इसकी आड़ में अपने वैश्विक आधिपत्य को बनाए रखना चाहता है।

बसपा की समीक्षा बैठक: मायावती बोलीं, बैलेंस ऑफ पावर बनने पर ही सरकार में शामिल होने पर विचार करेंगे

लखनऊ। मध्य प्रदेश में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि चुनाव के बाद बैलेंस ऑफ पावर बनने पर ही सरकार में शामिल होने का विचार किया जा सकता है। वह दिल्ली में मध्य प्रदेश के पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ले रही थीं। मायावती इन दिनों लगातार उन राज्यों के पार्टी पदाधिकारियों की बैठक लें रही हैं जहां विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान के बाद उन्होंने मंगलवार को मध्य प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि कर्मठ व ईमानदार उम्मीदवारों का ही चयन किया जाए। कई राज्यों में शक्ति का संतुलन बनने के बावजूद जातिवादी तत्वों द्वारा साम, दाम, दंड, भेद के हथकंडे अपनाए जाते हैं। बसपा विधायकों को तोड़ लिया जाता है। इससे जनता के साथ विश्वासघात कर घोर स्वार्थी लोग सत्ता पर काबिज हो जाते हैं। इसलिए आगे इन विधानसभा चुनाव में बैलेंस ऑफ पावर बनने पर लोगों की चाहत के हिसाब से सरकार में शामिल होने पर विचार किया जाएगा। मायावती ने कहा कि इन राज्यों में धार्मिक अल्पसंख्यकों व मुस्लिम समाज का भला तभी हो सकता है जब मजबूत व अहंकारी सरकार नहीं बल्कि गठबंधन की मजबूर सरकार होगी। इस समाज के लोगों पर अत्याचार की खबरें लगातार आती हैं। यह दुखद है। इसका समाधान तभी होगा जब सरकार में उनके हितैषी प्रतिनिधि होंगे। मायावती ने सरकार ने बाढ़ पीड़ितों की भी मदद करने की अपील की।

सिमी पर प्रतिबंध के खिलाफ सुनवाई नहीं करेगा सुप्रीम कोर्ट, कहा- 370 पर चल रही सुनवाई के बाद आना

नई दिल्ली। देश में कई आतंकी गतिविधियों में शामिल होने और अन्य आतंकी संगठनों के साथ संबंध होने के चलते भारत सरकार ने स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) को प्रतिबंधित संगठनों में शामिल कर दिया था। वहीं इसके प्रतिबंध को हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दाखिल की गई। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) पर लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी संविधान पीठ में अनुच्छेद 370 पर सुनवाई शुरू हो रही है, जब इस पर सुनवाई खत्म हो जाए तो इन सब पर विचार किया जाएगा। न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ को वकील ने बताया कि मामला 18 जनवरी को सुनवाई के लिए आया था और तब से सूचीबद्ध नहीं किया गया है, इसके बाद पीठ ने यह बता कही। वहीं, सिमी को लेकर केंद्र सरकार पहले से ही सजग है, इससे पहले केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि सिमी का मूल उद्देश्य भारत में इस्लामी शासन स्थापित करना है, जिसको पूरा नहीं किया जा सकता है। इस प्रतिबंधित संगठन के कार्यकर्ता अभी भी विध्वंसकारी गतिविधियों में लिप्त हैं जो देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को खतरे में डाल सकते हैं। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया था जिसमें कहा कि संगठन के कार्यकर्ता अन्य देशों में स्थित अपने सहयोगियों और आकाओं के साथ नियमित संपर्क में हैं और उनके कार्य भारत में शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बाधित कर सकते हैं। साथ ही बताया कि सिमी का उद्देश्य छात्रों और युवाओं को इस्लाम के प्रचार-प्रसार और जिहाद के लिए समर्थन प्राप्त करना है। केंद्र सरकार गैर कानूनी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर दर्जनों ऐसे संगठनों पर बैन लगा चुकी है। इन संगठनों पर 1967 के गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत कार्रवाई होती है।

सपा को करारा झटका, शालिनी यादव ने थामा भाजपा का दामन

वाराणसी। मिशन 2024 में भाजपा को कड़ी टक्कर देने का सपना देख रहे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भाजपा ने बड़ा झटका दिया है। वाराणसी से सपा प्रत्याशी के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देने वाली शालिनी यादव भाजपा की हो गईं। साथ ही सपा के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉक्टर पीयूष यादव ने भी भाजपा का दामन थाम लिया। विपक्ष जब एकजुट हो रहा था तभी सुभासपा के एनडीए में शामिल होने का बड़ा झटका लगा था। अभी उस परिस्थिति से सपा बाहर भी नहीं निकल पाई थी कि भाजपा ने उसे एक और झटका दे दिया। इस बार काशी क्षेत्र अंतर्गत कई जिलों के दिग्गज नेता भाजपा में शामिल हो गए। भारतीय राजनीति में अहम पहचान रखने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा के उपसभापति स्व. श्यामलाल यादव के परिवार ने सपा का दामन छोड़ दिया है। उनकी पुत्रवधु शालिनी यादव ने भाजपा की सदस्यता ली है। मोदी के खिलाफ चुनाव में शालिनी दूसरे नंबर पर रहीं। पूर्व जिलाध्यक्ष पीयूष यादव पूर्वांचल के जानेमाने चिकित्सक भी हैं। भाजपा के राज्य मुख्यालय लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल के समक्ष सभी बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ सभी ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

ब्रिटेन के सांसद ने भारत को लेकर की भविष्यवाणी, बोले- 2060 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा इंडिया

हैदराबाद। ब्रिटिश सांसद लॉर्ड करण बिलिमोरिया ने भविष्यवाणी की है कि भारत 2060 तक दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। बिलिमोरिया अल्मा मेटर हैदराबाद पब्लिक स्कूल (एचपीएस), बेगमपेट के अलंकरण समारोह में पहुंचे हैं, जिसमें उन्होंने दावा किया। बिलिमोरिया ने हाल ही में अपने अल्मा मेटर हैदराबाद पब्लिक स्कूल (एचपीएस), बेगमपेट के अलंकरण समारोह के मौके पर कहा कि भारत ने यूनाइटेड किंगडम को पीछे छोड़ दिया है और अब यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य बिलिमोरिया ने कहा, "पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत अब जल्द ही दुनिया की तीन महाशक्तियों में से एक बनने जा रहा है। 25 सालों के अंदर ही मेरी भविष्यवाणी है कि भारत की जीडीपी 32 ट्रिलियन डॉलर होगी और यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। मैं एक कदम आगे बढ़ता हूं, मेरा मानना है कि 2060 तक भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी।" बिलिमोरिया ने उम्मीद जताई कि जिस भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा हो रही है, वह करीब है। ब्रिटेन के सांसद ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार बहुत तेजी से बढ़ रहा है और अब यह सालाना 30 अरब पाउंड से अधिक है। उन्होंने कहा, "लेकिन, मुझे अभी भी लगता है कि यह अभी बहुत कम है, हम इसे कई गुना कर सकते हैं।" इस साल अप्रैल में उनके नेतृत्व में ब्रिटेन के संसदीय प्रतिनिधिमंडल की सफल भारत यात्रा को याद करते हुए उन्होंने कहा कि बड़े प्रतिनिधिमंडलों के दौरे की सिफारिश की जानी चाहिए, जिसमें व्यापारिक नेता, प्रेस के सदस्य, कैबिनेट मंत्री और विश्वविद्यालय के नेता शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को भारत दौरे पर एक बड़े प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना चाहिए। ब्रिटेन के सांसद ने कहा कि ब्रिटेन में रहने वाले उनके जैसे भारतीय मूल के 17 लाख लोग भारत के साथ जुड़ाव का एक जरिया हैं और यह ब्रिटेन में सबसे सफल अल्पसंख्यक समुदाय है। इसमें भारतीय मूल के प्रधानमंत्री के साथ-साथ व्यवसाय और जीवन के अन्य क्षेत्रों में कई सफल नेता भी शामिल हैं। कोबरा बीयर के संस्थापक लॉर्ड बिलिमोरिया ने भी कहा कि वह भारत में जल्द से जल्द अवसर मिलते ही उत्पाद को फिर से शुरू करना पसंद करेंगे।

उड़ गई ट्विटर वाली चिड़िया अब ट्विटर का लोगो हुआ एक्स

मस्क की पहली कंपनी व बेटे का नाम है एक्स

प्रखर डेस्क/ ऐजेंसी। माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर पिछले कई घंटों से एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। जिसके बाद से सोशम मीडिया पर हड़कंप मच गया। दरअसल, ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने ने ट्विटर का लोगो बदलकर कर दिया है। मतलब कि अब ट्विटर वाली चिड़िया की जगह आपको दिखेगा। ट्विटर का यूआरएल भी बदलेगा। अब twitter.com की जगह X.com होगा। सब लोग जानना चाहते हैं कि आखिर एलन मस्क ने ऐसा ही नाम क्यों रखा? बता दें कि उनकी पहली कंपनी का नाम X.com था जो एक ऑनलाइन बैंकिंग व फाइनेंस कंपनी थी। बाद में ये पेपाल बन गई थी बाद में इसका अधिग्रहण ईबे ने कर लिया था। यहां तक कि मस्क के एक बेटे का नाम भी ही है। एलन मस्क ने चिड़िया को हमेशा के लिए आजाद कर दिया है। कुछ लोगों का कहना है कि, खोलते ही उन्हें उनकी एक्स की याद आती है, तो कुछ लोगों का कहना है कि ये नाम और लोगो अश्लील है।

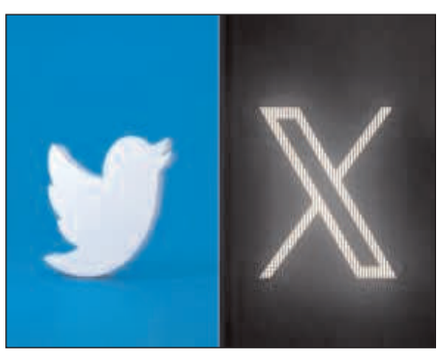

संपादकीय

चीतों की मौत चिंता की बात

पिछले दिनों कूनो राष्ट्रीय उद्यान में जब लगातार कई चीतों की मौत की खबर आई, तो स्वाभाविक ही पर्यावरणविदों और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े लोगों के लिए यह चिंता का विषय बन गया। एक आशंका यह जताई गई कि उन्हें जो रेडियो कालर लगाया गया है, उसकी वजह से उनके भीतर संक्रमण हुआ और यह उनकी मौत का कारण बना। कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक, रेडियो कालर के डिजाइन की वजह से चीतों को घाव हो गया हो सकता है, जिसे समय रहते ठीक नहीं किया जा सका। कई बार संक्रमण के जटिल स्थिति में पहुंच जाने के बाद उसे संभालना मुश्किल हो जाता है। हालांकि अभी यह अध्ययन का विषय है कि संक्रमण का मुख्य कारण रेडियो कालर ही है, फिर भी इससे जुड़ी आशंकाओं की वजह से छह चीतों में से रेडियो कालर को स्वास्थ्य परीक्षण के मकसद से फिलहाल निकाल दिया गया है। लेकिन पर्यावरण मंत्रालय ने चीतों की मौत में इसे एक वजह बताने को अवैज्ञानिक भी बताया है। गौरतलब है कि आमतौर पर वन्यजीवों पर नजर रखने के लिए उन्हें रेडियो कालर लगाए जाते हैं। कई बार या तो पशु का शरीर किसी बाहरी यंत्र के साथ संतुलन नहीं बिठा पाता या फिर उसकी बनावट के चलते कटने से घाव बन जाता है। ऐसी स्थिति में अगर समय पर उसे इलाज नहीं मिल पाता तो उसका जीवन संकट में पड़ सकता है। कई वन्यजीवों के शरीर की बनावट बेहद संवेदनशील होती है और आबोहवा बदलने का उस पर असर पड़ सकता है। किसी पशु पर नजर रखने के लिए कोई यंत्र उसके शरीर की संरचना के अनुकूल या प्रतिकूल भी साबित हो सकता है। दरअसल, सुचिंतित तरीके से किसी यंत्र को ऐसे प्रयोग से पहले परीक्षणों के कई स्तर से गुजारा जाता है, ताकि वह किसी वन्यजीव के लिए नुकसानदेह साबित न हो। लेकिन यह कहना कई बार मुश्किल हो जाता है कि इस तरह के यंत्र किस पशु के लिए कितना अनुकूल साबित होंगे। ऐसे मामले भी अक्सर सामने आते रहे हैं जिनमें चीता या बाघ जैसे संरक्षित पशु प्राकृतिक कारणों की वजह से भी बीमार हो जाते हैं और समय पर इलाज न मिल पाने की वजह से उनकी मौत हो जाती है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में लाए गए चीते निश्चित रूप से देश में पारिस्थितिकी संतुलन की दिशा में एक ठोस पहल है, लेकिन इसके साथ-साथ चीतों के संरक्षण के लिए भी जरूरी इंतजाम करना सरकार का दायित्व होना चाहिए। प्रकृति की अपनी गति होती है और समय-समय पर भिन्न कारणों से होने वाले उतार-चढ़ावों का असर सभी जीवों पर पड़ता रहा है। खासतौर पर वन्यजीवों के मामले में कई बार स्थितियां ज्यादा संवेदनशील होती हैं। कुछ पशु-पक्षी अनुकूल पर्यावरण में ही सुरक्षित रहते हैं। दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से लाए गए बीस चीतों में कुछ के लिए शायद यहां के वातावरण से तालमेल बिठा पाना मुश्किल रहा और इसीलिए उनके जीवन और स्वास्थ्य के सामने कई तरह की जटिलताएं खड़ी हो रही हैं। हालांकि सरकार और संबंधित महकमे इसके कारणों की खोज और उन्हें बचाने के लिए जरूरी उपाय करने में लगे हैं , लेकिन देखते-देखते बीस में से आठ चीतों की मौत के बाद यह सवाल खड़ा हुआ है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। सरकार ने बाघों की तरह चीतों के संरक्षण के लिए भी चीता परियोजना का समर्थन करने के लिए कई कदम उठाने की बात की है, जिसमें बचाव, पुनर्वास, क्षमता निर्माण आदि की सुविधा के साथ चीता अनुसंधान केंद्र की स्थापना भी शामिल है। मगर यह देखने की बात होगी कि आने वाले वक्त में ऐसी कवायदों से जमीनी स्तर पर कैसे नतीजे सामने आते हैं!

मचा है बवाल!

नाम लिया गठबंधन का ।
मचा है बवाल ।।
है चुनाव की बेला ।
रहना यही हाल ।।
ठप कामकाज है ।
हंगामे का दौर ।।
है जनता अब पीछे ।
होगा करना गौर ।।
अपना अपना सारे ।
कर रहे जुगाड़ ।।
है सीटों पर ध्यान ।
उसी की दहाड़ ।।
लगन और निष्ठा ।
हुई नदारद आज ।।
समझ रहा जनमानस ।
नहीं है कुछ भी राज ।।

–कृष्णेन्द्र राय

सीटों का बँटवारा विपक्षी एकता के लिए अग्नि परीक्षा साबित होगा

योगेंद्र योगी

बेंगलुरु मीटिंग में कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि पार्टी को पीएम पद की चाहत नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने खुद साफ किया कि पार्टी को पीएम पद नहीं चाहिए, बल्की वे संविधान, लोकतंत्र, धर्मनिर्पेक्षता और सामाजिक न्याय के लिए लड?ा चाहते हैं। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर अपना पक्ष स्पष्ट करके जाहिर कर दिया कि एकता यदि नहीं हो पाती है तो उसकी तोहमत उसे नहीं लगनी चाहिए। इसके बाद अन्य दलों के लिए मानो दावेदारी के रास्ते खुल गए हैं। 2024 में प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा? इसको लेकर विपक्षी खेमे में आवाज उठने लगी है। टीएमसी ने सबसे पहले दावेदारी ठोक दी है। टीएमसी सांसद सताब्दी रॉय ने मुख्यमंत्री ममता के लिए पीएम पद पर दावा ठोक दिया। कहा कि फिर 'हम चाहेंगे की ममता बनर्जी (पीएम) बनें। मसलन, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार और अरविंद केजरीवाल को उनकी पार्टी के नेता-कार्यकर्ता प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर देखते हैं। हालांकि, नीतीश कुमार इसी साल साफ कर चुके हैं कि उनका 'प्रधानमंत्री बनने का सपना नहीं है।

ममता बनर्जी ने इस बारे में न तो इनकार किया है और ना ही स्वीकार, वहीं अरविंद केजरीवाल का सपना छिपा नहीं है। वह अपने लगभग भाषणों में इस बात की चर्चा करते हैं और मंत्रमुग्ध होते हैं कि 'देश का पीएम पढ़ा-लिखा होना चाहिए। प्रधानमंत्री पद के उम्मीदावार की जिस चुनौती को विपक्षी दल झेल रहे हैं, वह भाजपा के सामने नहीं हैं। भाजपा से हाथ मिलाने वाले 38 दलों को पता है कि आगामी लोकसभा चुनाव में भी मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही इस पद के उम्मीदवार होंगे। हालांकि भाजपा के लिए भी क्षेत्रीय दलों के साथ सीट शेयरिंग मुश्किल भरा रास्ता होगा, किन्तु इतना नहीं जितनी मुश्किलों का सामना विपक्षी दलों को करना पड़ेगा। असली मुद्दा विपक्षी दलों के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर होना तय होगा। प्रधानमंत्री पद का मुद्दा हो सकता है उसके बाद तय हो। यह दोनों मुद्दे विपक्षी दलों के लिए लोहे के चने चबाने

से कम नहीं हैं। कांग्रेस की चार राज्यों में खुद की और तीन राज्यों में गठबंन की सरकार है। कहीं डीएमके तो कहीं राजद-जेडीयू, जेएमएम के साथ गठबंधन में हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी साफ सहित कई दूसरे दलों के नेता इस बात पर सहमत होते हुए राय व्यक्त कर चुके हैं कि कांग्रेस उनके राज्यों से दूर रहे। ये दल नहीं चाहते कि भाजपा के साथ-साथ उन्हें कांग्रेस से भी चुनावी मुकाबला करने पड़े। ऐसी स्थिति में इन क्षेत्रीय दलों का सत्ता में हिस्सेदारी का सपना कमजोर पड़ता है।

कांग्रेस ने अभी तक इस मुद्दे पर पत्ते नहीं खोले हैं। कांग्रेस नहीं चाहती कि लोकसभा सीटों की शेयरिंग और प्रधानमंत्री पद की दावेदारी के मुद्दों को अभी से हवा देकर विपक्षी एकता में रुकावट पैदा करे। इससे विपक्षी दलों को कांग्रेस के खिलाफ बोलने का मौका मिल जाएगा और कांग्रेस इस एकता के टूटने का आरोप अपने सिर नहीं लेना चाहती। यह निश्चित है कि कांग्रेस को यदि देश और दिल्ली की राजनीति करनी है तो विपक्षी दलों के सीट शेयरिंग फामूर्ले को नकारना होगा। फिलहाल कांग्रेस तेल और तेल की धार देखने के मूड में है। कांग्रेस अभी पूरी ताकत से विपक्षी दलों के साथ मिलकर केंद्र की भाजपा सरकार के प्रति हमलावर की मुद्रा में है और इस तेवर को पीएम सहित किसी तरह के मुद्दे को हवा देकर की कमजोर नहीं करना चाहती।

विपक्षी एकता में लोकसभा चुनाव की सीट शेयरिंग सबसे बड़ा मुद्दा है। इस मुद्दे पर किसी तरह की जल्दबाजी दिखा कर कांग्रेस अपने माथे पर एकता के टूटने का ठीकरा नहीं फुड़वाना चाहती। यही वजह है कि कांग्रेस प्रधानमंत्री पद की दावेदारी और सीट शेयरिंग के मामले में खुलकर प्रतिक्रिया जाहिर करने से हिचकिचा रही है। दरअसल कांग्रेस को भी अंदाजा है कि प्रधानमंत्री पद की मजबूत दावेदारी उसी पार्टी की बनेगी जिसके पास ज्यादा सांसद होंगे। दूसरे दल सांसदों की संख्या के आधार पर ही मंत्री और दूसरे महत्वपूर्ण पदों की दावेदारी कर सकते हैं किन्तु पीएम पद के लिए सांसदों की सर्वाधिक संख्या होने आवश्यक है, अन्यथा इसी आधार पर दावा कमजोर पड़ जाएगा।

विपक्षी दलों की असली अग्नि परीक्षा सीटों की शेयरिंग को लेकर होनी हैं। विपक्षी दल पिछली दो बैठकों में इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट निर्णय करने से बचते रहें हैं। लेकिन इस मुद्दे पर रुख साफ किए गए एकता का मसला आगे नहीं बढ़ सकता। भाजपा द्वारा विगत चुनावों में हाशिए पर धकेले गए क्षेत्रीय दल फिर से खड़े होने की फिराक में हैं। ऐसे में उनका पूरा जोर इसी बात पर रहेगा कि उनके राज्यों से कांग्रेस मैदान से हट जाए। इससे कांग्रेस को मिलने वाले वोट भी उनकी झोली में आ सके। कांग्रेस यदि विपक्षी दलों के इस प्रस्ताव को मंजूर कर लेती है तो उसका जनाधार और संगठन, दोनों कमजोर पड़ जाएंगे। ऐसे में कांग्रेस के लिए क्षेत्रीय दलों का यह प्रस्ताव गले की फांस बना हुआ है। हालांकि मुंबई में होने वाली विपक्षी दलों की तीसरी बैठक में ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा कि यदि ऐसा कोई प्रस्ताव आता है तो कांग्रेस क्या स्टैंड लेती है। कांग्रेस इस मुद्दे पर दोराहे पर खड़ी है। यदि विपक्षी दलों का सीट शेयरिंग प्रस्ताव स्वीकार करती है तो पहले से ही भाजपा द्वारा कमजोर कर देने के बाद और कमजोर हो जाएगी। यदि कांग्रेस प्रस्ताव का विरोध करती है कि विपक्षी एकता का होना संभव नहीं होगा। ऐसे में विपक्षी को एकता में अड़चन के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराने का मौका मिल जाएगा, कांगेस फिलहाल ऐसा बिल्कुल नहीं चाहेगी। विपक्षी दल एकता के इस गठजोड़ के लिए फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं। पटना में बैठक का आयोजन यह देखने और भाजपा को दिखाने के लिए किया गया कि खुले तौर पर कितने दल उनके साथ हैं। इसीलिए यह बैठक सिर्फ मेलजोल तक सीमित रही। यहां तक कि बैठक में विपक्षी गठजोड़ का नाम तक तय नहीं किया गया। बेंगलुरु में हुई बैठक में राजनीतिक दल विपक्षी एकता में एक कदम आगे बढ़ गए। बैठक में सर्वसम्मति से गठजोड़ का नाम भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) तय किया गया। इसके पीछे सोच यह भी रही कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर सभाओं में इंडिया का नाम लेते हैं, इसीलिए अब उनके लिए नाम लेना मुश्किल होगा। विपक्षी एकता की असली चुनौती मुंबई में होने वाली तीसरी बैठक में होगी। यह भी संभव है कि इस बैठक में भी सीट शेयरिंग, पीएम पद तथा चुनाव लड़ने के राष्ट्रीय मुद्दे तय नहीं किए जाए, बैठक में संचालन समिति तय हो सकती है। इस तरह की कवायद करने को कुश्ती में दंडबैठक से ज्यादा कुछ नहीं माना जा सकता। भाजपा से मुकाबले में आने के लिए विपक्षी को असली मुद्दों पर आना पड़ेगा। सीट शेयरिंग सहित अन्य मुद्दों से पता चल सकेगा कि विपक्षी एकता में कितना दमखम है।

आत्मीयता के रिश्ते

मुग्धा

रिश्ते-नातों से भरपूर होने का मतलब है अपने जीवन को आत्मविश्वास और सुरक्षित भाव से भरपूर जीना। सच यह है कि अच्छे रिश्ते ऊर्जा को सौ गुना कर देते हैं और जीवन में तरंग को बनाए रखते हैं। लेकिन कभी-कभी ऐसा भी लगता है कि हम अपने रिश्ते किसी तरह खरामा-खरामा बस ढो रहे होते हैं। हालांकि हम उन रिश्तों में मजबूरन बोलते और हंसते भी हैं, लेकिन वह सब उदास ढंग से हो रहा होता है।

तब छटपटाहट से भरा दिल उस समय खोजने लगता है रिश्तों में उस गर्माहट को, जो कहीं दूर हो गई है। उसमें कितना अनूठा और अनुपम भाव है, वह महसूस नहीं होता, बस यह दर्द सालता रहता है। पर गौर से समझें तो यह कोई जटिल पहेली नहीं है। इसका जवाब एकदम सरल और सीधा यह है कि हम सब सामाजिक प्राणी हैं और हमारे जीवन की अधिकतर खुशियां दूसरों से जुड़ी हैं। हमारा गुस्सा और हमारी समस्या दूसरों से ही जुड़ी है। इसलिए हमारा समूचा दिन अगर केवल ह्यमैंह्ण भाव पर केंद्रित रहेगा तो यह उदासी और बेचैनी खत्म नहीं होगी। इसलिए एक सामान्य नियम पर चलना चाहिए कि रिश्तों में खुश रहने के लिए दूसरों की नहीं, अपनी पहल करके अच्छे संबंधों पर जोर देना जरूरी है। यह तो हम सब मानते ही हैं कि अच्छे संबंध हमारी सेहत और खुशी का मुख्य आधार हैं। एक अच्छी जिंदगी जीने के लिए इस पहल वाले नियम को हमेशा ध्यान रखा जा सकता है। जो भी संपर्क में आए, उसके साथ खुद पहल करें और दूसरे के तेवर को ध्यान में रखकर व्यवहार करें।

इसे इस तरह समझा जा सकता है कि अगर हमारे किसी खास रिश्ते में किसी को अधिक बोलने या डींग हांकने की आदत है तो उन्हें हल्के-फुल्के अंदाज मे लेने से हमारी सेहत पर कुछ खास असर नहीं होगा, लेकिन कुछ मिनट का धीरज रिश्तों को बचा लेगा। हमारे जीवन में जो लोग अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी दुनिया का सबसे महत्त्वपूर्ण हिस्सा बनाएं।

उनसे वैसा ही व्यवहार करना चाहिए, जैसा हम अपने लिए चाहते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर हमें जरा-जरा-सी खुशी पर आनंद मनाना बेहद पसंद है तो औरों की मौज-मस्ती से मौके पर शामिल होना

और शुभकामनाएं प्रेषित करना सीखना चाहिए। अगर अपने समय को लेकर हम सतर्क रहते हैं तो दूसरों के साथ भी यही बात लागू करें। दूसरों से ऐसे व्यवहार करें, जैसे उन्होंने बहुत-सा वजन उठाया हुआ है। दूसरों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करना जरूरी है। अपने साथ जुड़े हर इंसान को खास महसूस कराना चाहिए। किसी करीबी संबंधी की आर्थिक स्थिति बहुत शानदार नहीं है तो हम अपनी कल्पना से कुछ ऐसे तरीके खोज सकते हैं, जिनसे हम उनको बहुत खास महसूस करा सकें। कुदरत ने हम सबको खास तरह से सृजित किया है। जब हम दूसरों को अच्छा महसूस कराते हैं, उसी वक्त हमें अपने लिए भी अच्छा लगता है। हम जिस समय दूसरों की हीन भावनाओं को दूर करते हैं, हमारी अपनी भी हीनता दूर होती है। आज ही जीवन है, कल का पता नहीं। इस अनोखे विचार पर चल कर हम समझ जाएंगे कि हम अपने इस समय को अब कैसे बिताना चाहेंगे। एक से बढ़ कर एक बिंदु हमें झकझोर कर रख देगें कि अब तक के अपने जीवन को क्या आपने इस स्तर तक जिया है? हम क्या करना चाहते हैं? किससे मिलना चाहते हैं? क्या देखना चाहते हैं? किसके साथ अपना समय बिताना चाहते हैं? ऐसा करना हमें उन सबके करीब लाएगा, जिनसे हम बेकार में नाराज हैं। यह विचार हमें तो उत्साह और सकारात्मक भाव देगा ही, साथ ही उनके जीवन को खुशियों से भर देगा। दरअसल, दूसरों के साथ हमारे अच्छे संबंध यह बताते हैं कि हम कितने मानवीय हैं। एक बार गौतम बुद्ध के पास एक व्यक्ति रिश्तों की सरलता समझने आया। बुद्ध ने उसे अपने साथ जंगल में ले जाकर कहा- ह्यदेखो, यह युवक नीचे गिरे पत्तों को एक बड़े बर्तन में जमा कर रहा है। उस युवक ने जब पत्तियां जमा कर लीं तो गौतम बुद्ध ने उसके नजदीक जाकर उससे बातचीत की। युवक ने वहां एक-दो पेड़ों की तरफ संकेत करके बताया कि इनकी पत्तियां भोजन और जल, दोनों की कमी पूरी करती हैं। वह युवक चला गया, तब उस व्यक्ति ने पूछा कि तथागत, आपने उस साधारण सूखे पत्ते बटोरने वाले से बातचीत करके मुझे क्या संकेत दे रहे हैं? बुद्ध ने कहा कि क्या तुमने देखा कि वह कितना संतोषी है? उसने बस पेड़ों द्वारा त्याग दिए गए पत्तों के अलावा एक हरा पत्ता नहीं तोड़ा। यही इसकी साधना है जो मेरे अंतःस्थल को छू गई। ह्यआपह्ण क्या हैं, यह महत्त्वपूर्ण नहीं, पर औरों से लेने की हमारी नीयत में ह्यक्याह्ण है, यह बहुत महत्त्वपूर्ण है! रिश्ते अजीब होते हैं। जब हम छीन-झपट कर कुछ लेना चाहते हैं, तब तनाव पैदा होता है। जबकि रिश्ते तब फलते-फूलते हैं, जब हम औरों को अपनी जगह पर रखने लगते हैं।

टमाटर ने ताव दिखाकर जो सबक दिया है क्या सरकार उससे कोई सीख लेगी?

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लगभग हर साल अन्नदाता को रुलाने वाले टमाटर ने इस बार आम नागरिकों खासकर गृहणियों को बुरी तरह से झकझोर कर रख दिया है। अब तक अनुभव यही रहा है कि प्याज आम उपभोक्ताओं को रुलाता रहा है तो सरकार बनने-बनाने में भी प्याज की अहम भूमिका रही है। संभवतः यह पहला मौका होगा जब टमाटर ने भाव दिखाये हैं और यहां तक कि देश के अधिकांश हिस्सों में टमाटर के भाव डेढ़ सौ से दो सौ रुपए तक को छूने व कई स्थानों पर तो इससे अधिक आसमान छूने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हालात यहां तक देखने को मिले हैं कि मण्डियों से टमाटर की चोरियों के समाचार मिले तो टमाटर की सुरक्षा के लिए बाउंसर्स की सेवाएं भी लेने के समाचार मीडिया की सुर्खियां बने हैं। हालांकि अब टमाटर के भावों में उतार का दौर शुरू हो गया है तो केन्द्र सरकार भी एनसीसीएफ और नेफैड के माध्यम से आगे आई है। हालांकि संभवतः अदरक के भाव भी चार सौ के आसपास जाने का यह पहला रिकॉर्ड होगा पर टमाटर ने सीधे-सीधे आम आदमी को प्रभावित किया है। पिछले दिनों ब्रिटेन में एकाएक भाव बढ़ने वाली वस्तुओं को कुछ समय तक नहीं खरीदने की सलाह सरकार द्वारा जारी की गई पर मजे की बात यह है कि हमारे देश में हालिया एक सर्वे के अनुसार टमाटर द्वारा लाल-नीली आंखें दिखाने के बावजूद केवल 15 प्रतिशत लोगों ने टमाटर को कुछ समय के लिए रसोई से बाहर रखने यानी की नहीं खरीदने का निर्णय किया, वहीं 82 फीसदी लोगों ने भले ही महंगा रहा हो पर टमाटर की खरीद से परहेज नहीं किया। दरअसल अब तक का अनुभव यह रहा है कि सीजन में एक समय ऐसा आता है जब टमाटर के मण्डियों में भाव लागत तो छोड़ो मण्डी में लाने ले जाने की लागत भी पड़ता नहीं खाती और हाईवे के किनारों पर टमाटर के ढेर के ढेर बिखरे हुए देखे जाते रहे हैं। हालांकि करीब करीब इस समय टमाटर के भाव बढ़ते हैं पर इतने अधिक भावों में तेजी पहले लगभग नहीं ही देखी गई है। वैसे तो टमाटर की खेती समूचे देश में होती है पर आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा, गुजरात, पश्चिम बंगाल आदि प्रमुख टमाटर उत्पादक प्रदेश हैं। दुनिया में टमाटर के उत्पादन में चीन शीर्ष पर है और एक मोटे अनुमान के अनुसार चीन में टमाटर का 5 करोड़ 64 लाख टन से अधिक सालाना उत्पादन होता है। चीन के बाद भारत टमाटर का सबसे अधिक यानी की दूसरे नंबर का प्रमुख उत्पादक प्रदेश है। मोटे अनुमान के अनुसार देश में करीब 4 लाख टन टमाटर का सालाना उत्पादन होता है। यदि कुछ दिनों को छोड़ दिया जाए तो टमाटर के भावों को लेकर इतनी मारामारी नहीं रहती है। पर इस साल तो टमाटर ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

टमाटर दक्षिण अमेरिका के एण्डीज और मैक्सिको से स्पेनिस कॉलोनीज होते हुए दुनिया के देशों में पहुंचा है। बदलते समय में कम से कम हमारे देश में छाछ, केरी, अमचूर, काचरी आदि परंपरागत खटाई की जगह सभी सब्जियों में टमाटर ने बना ली है। टमाटर के बिना सब्जी के स्वाद की कल्पना लगभग नहीं के बराबर रह गई है तो दूसरी और टमाटर केचअप, प्यूरी और शॉश का अपना बड़ा बाजार विकसित हो चुका है। दरअसल औषधीय गुण के कारण भी टमाटर की मांग बढ़ी है। टमाटर में विटामिन सी, बी, के के साथ ही कोलिन आदि प्रचुर मात्रा में है। इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से भी टमाटर की अपनी अहमियत है। प्याज-टमाटर ऐसे हैं जो आलू आदि दूसरी सब्जियों के साथ तो काम आते ही हैं, केवल और केवल टमाटर और प्याज ही ऐसे हैं जो गरीब से गरीब की थाली में लगावन का काम करता है तो अमीर से अमीर की रसोई भी इनके बिना अधूरी है। ऐसे में टमाटर के भाव आसमान छूने से सीधे सीधे आम आदमी का प्रभावित होना स्वाभाविक है।

अब सवाल दो टके का यह हो जाता है कि ऐसी सरकारों की क्या बाध्यताएं होती हैं कि एकाएक भाव बढ़ने पर आम नागरिकों को भगवान के भरोसे छोड़कर किनारे हो जाती है। हालांकि लाख उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हों पर अभी भी देश में फसलोत्तर आधारभूत संरचनाओं की कमी बरकरार है। यही कारण है कि किसानों को मजबूरन अपने उत्पाद को सड़क के हवाले करना पड़ता है। हर हालात में फायदा होता है तो केवल और केवल बिचौलियों को होता है। पहले कृत्रिम अभाव पैदा किया जाता है और फिर कोल्ड स्टोरेज से थोड़ी मात्रा में बाजार में लाया जाता है ताकि ज्यों ज्यों भाव बढ़ते जाएं त्यों त्यों इनका मुनाफा बढ़ता जाए और आम आदमी पिसता चला जाए। आखिर ऐसा क्यों होता है? यह इसलिए भी जरूरी हो जाता है कि सरकार की बाजार पर निगरानी रखने वाली टीम आखिर क्या करती रहती है। सरकार के पास बुवाई से लेकर उत्पादन तक के आंकड़े रहते ही हैं, इसके साथ ही कोल्ड स्टोरेज में जमा की भी जानकारी रहती है। फिर ऐसे कौन से कारण होते हैं कि एक समय खुदरा में दस से बीस रुपए किलो बिकने वाला टमाटर दो सौ के आंकड़े को छू जाता है। यह टमाटर ही नहीं आलू, प्याज, लहसुन आदि सभी पर लागू होता है। अब तो सरकार द्वारा बागवानी फसलों के लिए रेल भी चला दी गयी है। इससे बागवानी फसलों को एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाना आसान हुआ है। पर अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना है। कोल्ड स्टोरेज की चेन बनानी होगी तो वातानुकूलित कंटेनरों की व्यवस्था भी सरकार को करनी होगी। टमाटर के भावों में तेजी के साथ ही एक बात साफ हो गई है कि सरकार का कहीं ना कहीं बाजार निगरानी तंत्र कमजोर है।

अपना प्यारा काशी

बनके रस रग रग में बसा है, अपना प्यारा काशी
जहा विराजे अद्वितीय अजर अमर भोल अविनाशी,
पतित पावन गंगा बसी है,
बड़ी लुभावनी घाट अस्सी है,
शाम की आरती गंगा की आरती की है बात निराली
बनके रस रग रग में बसा है अपना प्यारा काशी
भक्ति और मुक्ति का प्रतीक है
कड़कड़ में बसे है भोले,
ऐसा कोई नही है जो हर हर
बम बम ना बोले,
दुल्हन की तरह लगे बनारस
जब आती है दीवाली ।
बनके रस रग रग में बसा अपना प्यास काशी ।
संकट मोचन में बसे,
स्वयं महा हनुमान जी
दुःख हरे पीड़ा हरे करते पूरन काम जी,
सीता के संग राम विराजे
गोरी संग त्रिपुरारी ।
सबसे न्यारा सबसे उत्तम अपना प्यारा काशी ।
जहा विराजे अद्वितीय अजर अमर भोले अविनाशी,
हर हर काशी बम बम काशी
जय हो भोले नाथ की।

कवित्रि
नूतन पाठक 'तनु'

लोकायुक्त टीम के सामने रिश्वत की नोट चबा गया पटवारी उंगली डालने पर काट ली उंगली

तबीयत बिगड़ने पर हॉस्पिटल में कराया गया भर्ती, कड़ी मशक्कत के बाद पेट से निकली नोट की लुगदी

प्रखर एजेन्सी। मध्य प्रदेश के कटनी जिले में रिश्वतखोर पटवारी का अजब-गजब कारनामा चर्चा में है। पटवारी ने यहां सीमांकन के नाम पर रिश्वत ली, जब लोकायुक्त टीम को सामने देखा तो उसने पांच सौ के 9 नोटों को एक-एक कर चबा लिया। लोकायुक्त की टीम उसे लेकर जिला अस्पताल भी पहुंची, जहां डॉक्टरों की टीम ने काफी मशक्कत के बाद नोटों की लुगदी निकाली। मामला कटनी जिले के बिलहरी का है। यहां पारिवारिक जमीन के सीमांकन के लिए चंदन लोधी ने लोकसेवा केंद्र पर आवेदन किया था, लेकिन उसे शासन के दस्तावेजों पर चढ़ाने के नाम पर पटवारी गजेंद्र सिंह ने पांच हजार की रिश्वत मांगी थी। कई मिन्नतों के बाद भी पटवारी नही माना तो चंदन लोधी ने मामले की शिकायत जबलपुर लोकायुक्त कार्यालय में दर्ज करा दी। इसके बाद सोमवार को जबलपुर की सात सदस्यीय टीम ने मिलकर रिश्वतखोर पटवारी गजेंद्र सिंह को साढ़े चार हजार की रिश्वत लेते पकड़ा। जबलपुर लोकायुक्त पुलिस की टीम ने आरोपी पटवारी को रिश्वत लेते हुए जैसे ही ट्रैप किया, शातिर दिमाग पटवारी ने तुरंत रिश्वत की राशि में मिले 500-500 के नोट को अपने मुंह में रख लिया और चबाने लगा। उसकी हरकत देखकर लोकायुक्त पुलिस दंग रह गई, लाख कोशिश करने के बाद पटवारी ने अपने मुंह से रुपये नहीं निकाले। टीम में शामिल अधिकारियों ने रिश्वत की रकम उसके मुंह निकालने के प्रयास किए, लेकिन पटवारी ने अधिकारी की अंगुली को काट दिया। इसके बाद जबलपुर लोकायुक्त टीम के अधिकारी तुरंत पटवारी को लेकर कटनी जिला अस्पताल पहुंचे। यहां डाक्टरों की टीम के काफी मशक्कत के बाद नोटों की गली हुई लुगदी निकाली। ऐसा पहली बार हुआ कि सबूत की खातिर पेट में गए पैसे उगलवाने पुलिस रिश्वत खोर को लेकर चिकित्सालय पहुंची थी। बहरहाल, अब नोटों की लुगदी जब्त कर लोकायुक्त पुलिस ने आरोपी पटवारी के विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी है।

तहसीलदार, पेशकार व नायब तहसीलदार के भ्रष्टाचार जांच व कार्यवाही पर अड़े अधिवक्ता

रसड़ा, बलिया। तहसील में व्याप्त चर्चित भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर विगत दिनों से तहसील प्रशासन और अधिवक्ताओं के बीच चल रही रस्साकसी विवाद एवं बीतें शनिवार को तहसीलदार के पेशकार चन्दन कुमार और अधिवक्ता मंजीत सिंह के बीच हुई मारपीट की घटना से आक्रोशित वकीलों ने तहसीलदार संजय कुमार सिंह एवं उनके पेशकार चन्दन कुमार के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग को लेकर सोमवार को तहसील परिसर में रसड़ा के अधिवक्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया तथा तहसील प्रशासन का पुतला दहन किया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने अपने को 28 जुलाई तक न्यायिक कार्य से विरत रहने के निर्णय की भी घोषणा करने पश्चात अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी को संबोधित/ प्रेषित चार सूत्रीय मांगों का ज्ञापन रसड़ा एसडीएम सदानंद सरोज को सौंपा। बार एसोसिएशन द्वारा जिलाधिकारी को प्रेषित पत्रक में अधिवक्ताओं का आरोप है कि तहसीलदार और उनके पेशकार द्वारा अधिवक्ता मंजीत सिंह से एक पत्रावली के निस्तारण में नाजायज तौर पर गहरी रकम मांग पूरी नहीं करने पर नाराज होकर तहसीलदार रसड़ा ने संबंधित पत्रावली पर अगली तारीख पांच मई लगा दिया, जबकि इस मुकदमे में पहले ही बहस सुनकर तहसीलदार संजय कुमार सिंह ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था । जब फैसला नहीं आया तो इसी के बाबत जानकारी लेने 22 जुलाई को अधिवक्ता मंजीत सिंह कोर्ट में पहुंचे तो उनके साथ तहसीलदार व पेशकार द्वारा उनके साथ अभद्रता व दुर्व्यवहार किया गया तथा उल्टे ही उनके खिलाफ कोतवाली में प्रार्थना पत्र दी गई।इस संबंध में अधिवक्ता मंजीत सिंह ने भी कोतवाली जाकर पुलिस लिखित शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। इस घटनाक्रम से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने तहसीलदार व उनके पेशकार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें निलंबित करने की मांग के साथ ही उनके भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच की भी मांग की है इसके साथ ही तहसील के नायब तहसीलदार रोशन सिंह द्वारा भू-माफियाओं से सांठ-गांठ और इनकी मिलीभगत से नामांतरण आदेश पारित करने तथा दलालों के माध्यम से अवैध शुल्क लेकर नामांतरण करने के मामले की जांच कराकर इनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने तथा नगरा थाना क्षेत्र के अधिवक्ता सुनील श्रीवास्तव के हमलावरों की गिरफ्तारी करने के अलावा सब रजिस्ट्रार कार्यालय को तहसील परिसर में स्थापित करने की मांग की है।

मुख्य सेविकाओं ने तीन सूत्री मांगों के समर्थन में काली पट्टी बांधकर कराया विरोध दर्ज

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बाल विकास पुष्टाहार सुपरवाइजर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के आह्वान पर तीन सूत्री मांगों के समर्थन में जनपद की समस्त मुख्य सेविकाओं ने बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और प्रदेश सरकार से मुख्य सेविकाओं के प्रमुख तीन मांगे जिसमें स्थानांतरण नीति 2023 - 24 के विरुद्ध किए गए स्थानांतरण को निरस्त किये जाने एवं विगत पांच वर्षों से मुख्य सेविकाओं की लंबित ए सी पी तत्काल स्वीकृति किये जाने एवं विगत कई वर्षों से बाल विकास परियोजना अधिकारी पद पर मुख्य सेविकाओं का पदोन्नत किये जाने की मांग की। जिलाध्यक्ष गीतांजलि राणा ने बताया कि मुख्य सेविकाओं की लंबित मांगों पर केंद्रीय नेतृत्व विगत कई वर्षों से निदेशक बाल विकास एवं पुष्टाहार उत्तर प्रदेश से समस्याओं के निदान हेतु मांग किया जा रहा है परंतु आज तक मांगे लंबित है जिसके लिए जनपद वाराणसी में सभी विकास खंड मुख्यालय पर मुख्य सेविकाओं द्वारा आंदोलन के प्रथम चरण 24 से 27 जुलाई तक बांहों में काली पट्टी बांधकर विरोध जताया जा रहा है तत्पश्चात यदि मांगो का निस्तारण नहीं किया जाता है तो मजबूर होकर केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर आंदोलन के अग्रिम चरण में एक अगस्त को लखनऊ मुख्यालय पर धरना दिया जाएगा। इस संबन्ध में आराजी लाइन विकास खण्ड में सरला साहनी काशी विद्यापीठ विकास खण्ड में गीतांजलि राणा सेवापुरी

विकास खण्ड में सीता राय चिरईगांव विकास खण्ड में वन्दना श्रीवास्तव चोलापुर विकास खण्ड में रानिको पिंडरा विकास खण्ड में अनीता सिंह हरहुआ विकासखंड में उषा गौतम बड़ागांव विकास खण्ड में प्रभावती के नेतृत्व में मुख्य सेविकाओं ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रकट किया।

शिक्षामित्रों ने मनाया काला दिवस, दी श्रद्धांजलि, काला फीता बांधकर किया शिक्षण कार्य

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों पर तैनात शिक्षामित्रों ने मंगलवार को काला दिवस मनाया और काला फीता बांधकर शिक्षण कार्य किया। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र के आह्वान पर आदर्श शिक्षा मित्र संगठन के बैनर तले पिंडरा व बड़ागांव ब्लाक में काला दिवस मनाया।

संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष मुनिकेश सिंह व मनीष गिरी ने बताया कि आज ही के दिन 25 जुलाई 2017 को शिक्षामित्रों का समायोजन निरस्त करने का निर्णय सरकार ने लिया था। तभी से संगठन प्रति वर्ष इस दिन को काला दिवस के रूप में मनाता है। समायोजन निरस्त होने से प्रदेश भर के अब तक 10 हजार शिक्षामित्रों की मौत हो चुकी है। संगठन के नेता नवप्रकाश सिंह ने

काहकि प्रदेश सरकार के इस निर्णय से शिक्षा मित्र बेहद मर्माहत है और इसका खामियाजा सरकार को चुनाव में भुगतान पड़ेगा। इस दौरान जगह जगह श्रद्धांजलि समारोह का भी आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षा मित्र दो मिनट का मौन रख मृत शिक्षामित्रों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान मुनिकेश सिंह, नवप्रकाश सिंह, तेजबहादुर, साधना सिंह, विंध्यवासिनी विश्वकर्मा, अंतिमा सिंह, वर्षा सिंह, सरोज गुप्ता मीना कुमारी व रीता कुमारी समेत अनेक शिक्षामित्र रहे।

कमजोर वर्ग के बच्चों का सपना साकार करेगा इगनाइट कोचिंग संस्था : रत्नेश पांडेय

न्यूनतम शुल्क में उच्च स्तरीय शिक्षा देना हमारी पहली प्राथमिकता : ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव

प्रखर कुशीनगर। महंगाई के इस दौर में कोचिंग संस्थान वाले विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के नाम पर मोटी रकम वसूल रहे हैं लेकिन कुशीनगर जिले के कसया में स्थित इगनाइट कोचिंग संस्थान फाउंडेशन न्यूनतम शुल्क लेकर आईआईटी, नीट उत्तीर्ण करने का सपना संजोने वाले गरीब परिवार के बच्चों को शिक्षा दिलाने का काम कर रही है।

उक्त बातें संस्था के डायरेक्टर ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव (एडवोकेट)ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा। उन्होंने कहा कि कुशीनगर में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। जरूरत ऐसे संस्थान की है जो समर्पण, सेवाभाव के साथ ही अच्छे दिशानिर्देश दे सके और बच्चों के प्रतिभा को तरास कर उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सके।उन्होंने आगे कहा कि हमारे यहा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कक्षा आठ से शिक्षा दी जाती है । मेरे संस्थान के द्वारा कमजोर आर्थिक वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति परीक्षा के माध्यम से शुल्क में भारी छूट दी जाती है। बोर्ड के छात्रों व प्रतियोगी

ignite
CLASSES
8th, 9th, 10th, 11th, 12th, DROPPER
HYBRID SCHOOL
FOUNDATION | IIT-JEE | NEET

परीक्षाओं के लिए अलग अलग अध्यापक है। मैनेजिंग डायरेक्टर रत्नेश पांडे ने कहा कि गरीब परिवार के बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाना संस्थान का उद्देश्य है, ऐसे बच्चे जिनमें प्रतिभा तो है लेकिन धनाभाव के चलते बाहर जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त नही कर पाते हैं, उन्हें कम शुल्क के साथ बेहतर शिक्षा व्यवस्था देना पहली प्राथमिकता हैं, जिससे इस क्षेत्र के बच्चे भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर प्रतियोगी परीक्षाओं को उत्तीर्ण कर खुद आत्मनिर्भर बने। उन्होंने बताया कि कोटा जाने वाले छात्रों की सबसे बड़ी समस्या शुल्क के रूप में मोटी रकम देना पड़ता हैं। साथ उनके विषय में होने वाले अतिरिक्त संदेह वाले प्रश्न अपने अध्यापक से नहीं पूछ पाते हैं, क्योंकि वहां एक कक्षा में हजारों की संख्या में छात्र पढ़ते हैं।कोटा से भी बेहतर कसया ,कुशीनगर में इगनाइट कोचिंग संस्था में दक्ष शिक्षकों द्वारा शिक्षण का कार्य किया जाता है। हमारे यहां छोटे-छोटे बैच बनाएं गये हैं । कोई भी छात्र अध्यापक से कभी भी प्रश्न पूछ सकता है और अपने संदेह को दूर कर सकता है।

पौधे लगाएं ही नहीं निगरानी भी करें : डा. राजकुमार

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय केकौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं छात्र-छात्राओंद्वारा प्राप्त पौधों को विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में सोमवार को लगाया गया। इसमें आम, अमरूद, अर्जुन, जामुन एवं आंवला के 25 पौधे हैं। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य कीनिगरानी में पौधरोपण का कार्य तेजी से परिसर में चल रहा है। कौशल विकासप्रशिक्षण केंद्र के प्रभारी डा. राजकुमार और बायोटेक्नोलॉजी के डा. मनीष कुमारगुप्ता ने कहा कि पौध लगाना बड़ी बात नहीं उसकी निगरानी कर-के उसे पेड़ का रूप देनाजरूरी है। पर्यावरण स्वच्छ वृक्षों के द्वारा ही होता है और साथ ही हमारे द्वारा छोड़ेगए कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण कर वृक्ष हमें ऑक्सीजन के रूप में जीवन दान देता हैइसके अलावा वृक्षों के द्वारा हमें सुंदर फूल और स्वादिष्ट फल भी प्रदान होता हैसाथी पेड़ पौधों द्वारा कई सारी औषधियां भी प्राप्त होती है और पेड़ पौधे ही पक्षीऔर पशु का सहारा होते हैं। इन 25 पौधों को कौशलविकास प्रशिक्षण केंद्र के भवन एवं विश्वविद्यालय के मुख्य अतिथि गृह के पास लगायागया ' परीक्षा नियंत्रक वीएनसिंह द्वारा आम के 3 पौधों का दानदिया गया' वृक्षारोपण अभियान में छात्र-छात्राओं के अलावा छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर अजय द्विवेदी, डॉ इंद्रेशगंगवार, राजन गुप्ता, अभिषेक यादव एवं अर्जुन शामिल थे।

महिला अध्यक्ष द्वारा वृक्षारोपण कर की गई काशी पंचकोसी यात्रा की शुरूआत

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, सामाजिक संस्था वाराणसी जनपद की महिला अध्यक्ष शशि श्रीवास्तव ने महिला संगठन की पदाधिकारी महिलाओं के साथ वृक्षारोपण कर काशी पंचकोसी परिक्रमा की शुरूआत की। श्री काशी विश्वनाथ व काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव के दर्शन-पूजन व उनकी अनुमति के पश्चात महिला अध्यक्ष द्वारा इस यात्रा की शुरूआत की गयी। काशीवासियों में अनेकों मान्यताओं से परिपूर्ण इस पंचकोसी परिक्रमा यात्रा में सम्मिलित होने वाले प्रत्येक महिला/पुरुष से यात्रा के दौरान वृक्षारोपण करने की अपील के साथ एक महाअभियान के तहत इस यात्रा की शुरूआत की गई। इस दौरान महिला अध्यक्ष शशि श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि धर्म और अध्यात्म की नगरी काशी विश्व में अपनी अलग पहचान रखती है। यहां होने वाले विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान सनातन धर्म में अपना अलग ही महत्व

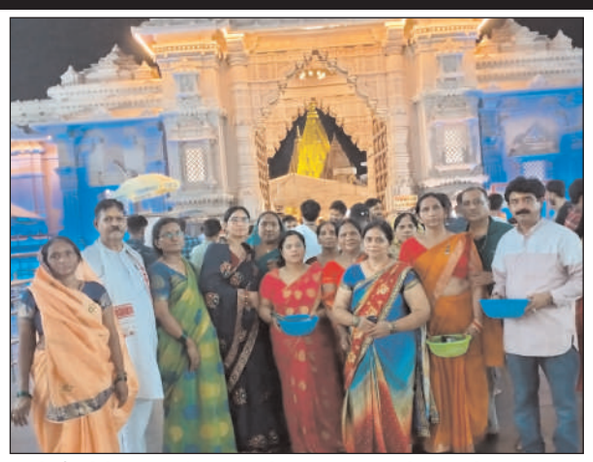

रखते हैं। ऐसे ही धार्मिक अनुष्ठानों में से एक काशी में होने वाली पंचकोशी यात्रा भी है। वाराणसी में होने वाली पंचकोशी यात्रा काशी की सबसे प्राचीन और पौराणिक यात्राओं में से एक मानी जाती है। यात्रा में शामिल पांच पड़ाव काशी में अपनी अलग पहचान रखते हैं। पहला पड़ाव कंदवा, दूसरा भीमचंडी, तीसरा रामेश्वर, चौथा शिवपुर और पांचवां पड़ाव कपिलधारा के रूप में जाना जाता है। यह सभी स्थान काशी में अति प्राचीन समय से मौजूद हैं। अंत में उन्होंने कहा कि काशी पंचकोशी यात्रा के साथ-साथ वातावरण संरक्षण हेतु इस वृक्षारोपण महाअभियान के तहत हम सभी महिला संगठन की कार्यकत्री सभी पड़ावों पर वृक्षारोपण करेंगे एवं पृथ्वी की हरियाली बढ़ाने के लिए वहां मौजूद लोगों से भी इस महाअभियान में शामिल होने की अपील करेंगे। हमारी इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य धर्म और आस्था के साथ-साथ, वातावरण संरक्षण के दृष्टिगत, वृक्षारोपण कर पृथ्वी की हरियाली बढ़ाना एवं लोगों को इसके प्रति जागरूक करना है। हम सभी का यह प्राथमिक दायित्व है कि हम अपने वातावरण का संरक्षण करें, साथ ही अधिक से अधिक पेड़, पौधे लगाएं ताकि आने वाले समय में हमारा वातावरण स्वच्छ तथा शुद्ध ऑक्सीजन युक्त रह सके, क्योंकि आज के प्रदूषण युक्त वातावरण को शुद्ध करने के लिए यही एक मूल मंत्र है। इस महाअभियान में संगठन की अध्यक्ष शशि श्रीवास्तव के साथ चन्दा श्रीवास्तव, मीरा,मंजू, पूनम, रूबी, रीना, पूजा समेत अन्य महिलाएं सम्मिलित हुई।

एसपी की कड़ाई से पुलिस प्रशासन एक्शन में, गुम हुए 85 मोबाइलें बरामद

बलिया। पुलिस अधीक्षक एस. आनन्द के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी के देखरेख में चलाए गए अभियान में ज़िले की पुलिस को भारी सफलता मिली है। खबरों के अनुसार जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आमजन के गुम/खोए हुए 85 महंगे मोबाइल सेट को जिसकी कीमत लगभग (14 लाख) कहा ज रहा है, को पुलिस द्वारा रिकवर करके सम्बंधित थानों के माध्यम से मोबाइल स्वामियों को सुपुर्द कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि मोबाइलों के गुम/खोने की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक श्री आनन्द के आदेश पर पुलिस कैंप कार्यालय पर मोबाइल रिकवरी सेल (सर्विलांस सेल) गठित किया गया।, जिसके द्वारा लगातार प्रयास कर विभिन्न जगहों से कुल 85 अदद मोबाइल (कीमत लगभग 14 लाख) को बरामद कर सम्बन्धित थाना प्रभारी निरीक्षकों/थानाध्यक्षों के माध्यम से मोबाइल स्वामियों को थाना परिसर पर बुलाकर प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष द्वारा स्वामियों को उनका मोबाइल उन्हें सुपुर्द किया गया । इसी क्रम में आज रसड़ा थाना/कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार सिंह व क्राइम इंस्पेक्टर निहार नन्दन ने थाना रसड़ा क्षेत्र के गांव मंदा निवासी ज्ञांसू प्रकाश व छिब्बी गांव निवासी पंकज गौतम व गांव सुलईं निवासी सुमित गुप्ता एवं रसड़ा नगर के मोहल्ला मल्लाह टोली निवासी सागर गुप्ता समेत चार मोबाइल स्वामियों को रसड़ा थाना परिसर में बुलाकर उन्हें रिकवर मोबाइल फोन को सौंप दिया गया। अपने खोये मोबाइल पाकर सभी के चेहरे पर खुशियों झलक उठीं । गुम मोबाइलों की बरामदगी के इस सराहनीय कार्य के लिए सभी मोबाइल स्वामियों ने एसपी एस.आनंद के कार्यप्रणाली की भूरि भूरि प्रशंसा करते देखे गए। इन मोबाइलों की रिकवर करने वाली सर्विलांस टीम में उ0नि0 अजय यादव, मु.आरक्षी रोहित कुमार, राकेश यादव, आरक्षी विकास सिंह, विनोद रघुवंशी, अर्जुन यादव शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षा चौपाल में बीईओ ने किया जागरूक

प्रखर खेतासराय जौनपुर। विकास खंड शाहगंज अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय खुदौली में मंगलवार को शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों एवं अभिभावकों की उपस्थिति खांसी महत्वपूर्ण रही। अध्यक्षता कर रहे शाहगंज ब्लाक के खंड शिक्षा अधिकारी अमरदीप जायसवाल ने कहां की परिषदीय विद्यालयों को हाईटेक करने का सफल प्रयास चल रहा है । सरकार खुद इस मामले में गंभीर है। उन्होंने कहा कि सरकार सभी बच्चों को डी बी टी के माध्यम से खाते में 1200 रुपये भेज रही है। उसका सही उपयोग किया जाय । कायाकल्प सहित सरकार द्वारा संचालित सभी विभागीय योजनाओं पर उन्होंने प्रकाश डाला। ए आर पी प्रशांत मिश्र ने निपुण लक्ष्य पर विस्तार से चर्चा कर सभी अभिभावकों को प्रेरित किया। सभी अभिभावकों को रीड एलांग, दीक्षा एप के प्रयोग पर चर्चा की ' विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने अभिभावकों से सहयोग की अपील की किया। प्रधानाध्यापक आशीष सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अहम मौके पर अशोक मौर्य, संदीप सिंह, आलोक यादव, कुल भास्कर मौर्य, रीना सिंह एवं सुनीता अन्य उपस्थित रहे।

जिला कारागार में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर बंदी रक्षकों और कैदियों में वितरित की गई दवा

प्रखर गाजीपुर (गौरीशंकर पाण्डेय सरस)। उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ द्वारा जिला कारागार में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन कर बंदी रक्षकों व कैदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं वितरित की गयीं। समिति के चेयरमैन डा. उमेश शर्मा के निर्देशन तथा विशेष प्रान्तीय सचिव मयंक सिंह के संयोजकत्व में जिला कारागार में मंगलवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में प्रशासनिक अधिकारियों, बन्दी रक्षकों व महिला पुरुष कैदियों सहित कुल 217 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में शारीरिक स्वास्थ्य जांच, फंगल संक्रमण, आक्सीजन लेवल, रक्त चाप, रक्त शर्करा, नेत्र परीक्षण करते हुए आवश्यक औषधियां व सुझाव दिये गये। वहीं सात बच्चों को स्वास्थ्य वर्धक टानिक भी प्रदान किया गया। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में पीडितों को एन्टी फंगल क्रीम व आंख में डालने हेतु नेत्र बिन्दु प्रदान किया गया। औषधि निरीक्षक बृजेश मौर्या की विशेष उपस्थिति में, चिकित्सकीय टीम में डा. एस.पी. कश्यप, डा. ओ.पी. मौर्या, डा. कमलेश, डा. धर्मेन्द्र कुमार तथा दवा वितरण में शैलेंद्र कुमार व रितेश यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही जिनके सहयोग से स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न हुआ। स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकों के विशेष सहयोग हेतु समिति के जिला सचिव अम्बरीष सिंह ने आभार जताया। इस मौके पर समिति के जोन सचिव डा. ए. के. राय, सचिव थाना कमेटी बिपिन मिश्रा , जेलर राकेश कुमार वर्मा, डिप्टी जेलर रविन्द्र सिंह यादव, श्रीमती सुखवती देवी सहित धर्मेन्द्र श्रीवास्तव आदि ने शिविर के सम्पादन में विशेष भूमिका निभाई।

बिजली करंट लगने से किसान की मौत, मचा कोहराम

रसड़ा बलिया। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के गांव अतरौली निवासी 60 वर्षीय नन्द लाल चौहान पुत्र राज रेखा चौहान ने अपने खेत में ड्डें के हुक से लाईट लगा रहे थे, कि उसी समय वे लाईन की चपेट में आ गये और गम्भीर रुप से झुलस गये। आसपास के लोगों ने देखा तो शोर मचाने लगे तो आसपास के लोगों ने किसी तरह बचा कर उन्हें रसड़ा समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाये, जहां पर चिकित्सकों ने इ मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों व पड़ोसियों कोहराम मच गया।

पर्यावरण की सुरक्षा पर निर्भर है जीवन सुरक्षित : उमाशंकर सिंह

रसड़ा, बलिया। क्षेत्रीय विधायक उमाशंकर सिंह ने शनिवार को रसड़ा समीपी गांव रेखहां पहुंच कर बच्चो संग पौधारोपण करने पश्चात " एक वृक्ष एक पुत्र के समान " का नारा देते हुए उपस्थित बच्चों को एक-एक पौधा लगाने का संकल्प दिलाया। वन विभाग के अधिकारियों संग विधायक उमाशंकर सिंह ने रेखहा गांव के साथ साथ गुरगुजपुर शिव मंदिर के प्रांगण में पौधारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश दिया। उन्होंने बच्चो संग पौधा रोपण कर हर बच्चो को अपने माता पिता के संग एक पौधा लगाने को संकल्प दिलाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा की एक पुत्र के समान एक पौधा मानकर पौधा को लगाने के साथ साथ उनकी सेवा और सुरक्षा करके ही पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए अपने जीवन को सुरक्षित रखा जा सकता है । क्षेत्रीय वन अधिकारी रसड़ा स्वाति सिंह ने विधायक को एक पौधा भेट किया। गुरपुज के प्रधान ने विधायक को पुष्प का गुच्छा भेट कर सम्मानित किया। इस मौके पर वन विभाग के धर्मेंद्र कुमार, उदय सिंह यादव, मनजीत सिंह, निर्भय सिंह, पिंकी सिंह, संतोष पांडे, श्री कृष्ण सिंह आदि उपस्थित रहे।

चोरी के जेवरात व मोबाइल संग एक चोर गिरफ्तार

रसड़ा, बलिया। पुलिस अधीक्षक एस0 आनन्द के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी के पर्यवेक्षण चल रहे धड़पकड़ अभियान में प्रभारी निरीक्षक रसड़ा प्रवीण कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना पुलिस टीम के उ०नि० मिथिलेश तिवारी ने अपने हमराही का.रंजीत कुमार व मनीष कुमार संग मु०अ०सं० 312/23 धारा 380/411 भादवि. से सम्बन्धित वॉछित अभियुक्त प्रमोद चौहान पुत्र राम छबीला चौहान ग्राम तिवारीपुर थाना बरहज जिला देवरिया को रसड़ा के डेहरी गांव रोड से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की मोबाइल व जेवरात लाकेट ,कुल आदि आला चोरी बरामद कर उसे चालान न्यायालय कर दिया।

Entertainment News

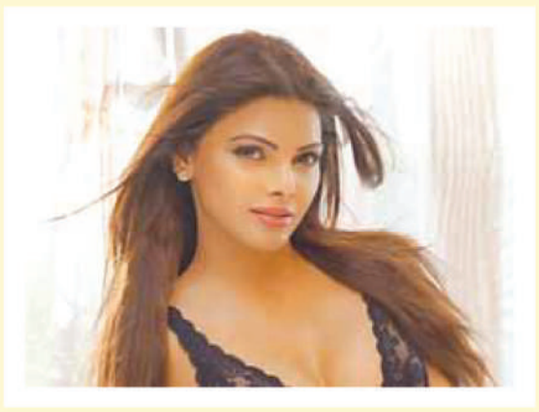

जब किडनी फेलियर से जूझ रही थी शर्लिन चोपड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा अक्सर अपने बोल्ड अंदाज की वजह से चर्चा में रहती हैं। वह हर मुद्दे पर अपनी खुलकर राय रखती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि साल 2021 में उन्हें किडनी फेलियर का सामना करना पड़ा। उन्हें अपनी मौत का उस वक्त डर सताने लगा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शर्लिन चोपड़ा ने बताया कि किडनी फेलियर की वजह से हर रोज अस्पताल में उन्हें मौत का डर खाने लगा था। हालांकि इसके बावजूद एक्ट्रेस हार नहीं मानी। उन्हें डॉक्टरों ने किडनी का इलाज कराने के लिए दो विक्लप दिए थे या तो वह डायलसिस करा सकती हैं या फिर किडनी ट्रांसप्लान्ट शर्लिन चोपड़ा ने आगे कहा कि, मेरे परिवार से इतने अच्छे रिश्ते नहीं है कि मुझे कोई आकर अपनी किडनी देदे। अगर मैं डायलसिस करा लेती तो मुझे हर महीने अस्पताल के चक्कर काटने पड़ते। तब मुझे एहसास हुआ कि मुझे अभी और काम करना है। इसके लिए मैंने हार ना मानने का निर्णय लिया। इसके बाद शर्लिन चोपड़ा आगे बातचीत करते हुए कहा कि, मैंने लगभग 3 महीने तक किडनी ठीक करने की दवा खाई थी और इससे किडनी की खराबी पूरी तरह से ठीक हो गई। और मुझे लगा कि मुझे दूसरा जन्म मिल गया है। मैं धीरे-धीरे काफी रिकवर कर चुकी थी। इसके बाद शर्लिन ने अपने परिवार के साथ रिश्ते का भी खुलासा किया।

इब्राहिम अली खान और पलक की फिर खुली पोल

कॉफी समय से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान और श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी को लेकर खबरें आ रही हैं कि दोनों एक दूसरो को डेट कर रहे हैं लेकिन किसी तरह का आधिकारिक रिएक्शन दोनों की तरफ से कभी नहीं आया है। इस वक्त फिर से इन दोनों की चर्चा है और हाल ही में दोनों को मूवी डेट पर जाते देखा गया है। हालांकि दोनों साथ में को स्पॉट नहीं हुए लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एक ही जगह के लिए दोनों अलग अलग निकले थे।

वायरल भयनी ने दोनों का एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा है, पलक तिवारी इब्राहिम अली खान को जुहू पीवीआर में देखा गया।

अजय देवगन के लिए चल रहा है भीख मांगो आंदोलन

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन इस समय सुर्खियों में छाए हुए हैं। एक फैन के चलते अजय देवगन इस समय लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। खबर है कि अजय देवगन के खिलाफ एक अनोखा विरोध हो रहा है। नासिक में एक शख्स को उनकी स्कूटी पर अजय देवगन के खइलाफ मुहिम छेड़ते हुए देखा गया। इस फैन ने अजय देवगन के लिए भीख मांगो नाम से ये विरोध प्रदर्शन शुरू किया है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ट्विटर पर वायरल हो रहा ये वीडियो नासिक का का है। जिसमें देखा जा सकता है कि एक शख्स स्कूटी पर बैठ सड़कों पर अजय देवगन के लिए भीख मांगते हुए नजर आ रहा है। दरअसल ये फैन अजय देवगन के ऑनलाइन गेमिंग को प्रमोट करने से खासा नाराज है। उसका कहना है कि अजय देवगन को पैसे की इतनी ही मजबूरी है, तो भीख मांगकर पैसे जोड़ेंगे और उन्हें भेज देंगे। आपको बता दें कि इस अनोखे विरोध प्रदर्शन के लिए उस शख्स ने अपनी स्कूटी पर स्पीकर और प्लेकार्ड लगा रखा है। उस प्लेकार्ड पर लिखा हुआ है- अजय देवगन के लिए भीख मांगो आंदोलन।

Bollywood Update

वैसे बॉलीवुड एक्टर्स गर्मी में भी हैवी विंटर के कपड़े पहने दिख जाते हैं। उसकी वजह उनकी विदेश यात्रा होती है। दरअसल, वो जिस देश की यात्रा कर रहे होते हैं उसके क्लाइमेट और वेदर के हिसाब से कपड़े कैरी कर लेते हैं। ऐसा ही दीपिका पादुकोण के साथ भी हुआ।

भरी गर्मी में स्वेटर पहने दिखी दीपिका चकराया लोगों का सिर

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के हजारों चाहने वाले हैं। एक्ट्रेस की स्माइल और उनकी दमदार एक्टिंग लोगों का दिल जीत लेती हैं। एक्ट्रेस अपने स्टाइल और कपड़ों से भी फैंस को इंप्रेस करना कभी नहीं भूलती हैं, लेकिन इस बार दीपिका पादुकोण को देख फैंस हैरान हुए। इसकी वजह उनके कपड़े हैं। एक्ट्रेस को हाल में ही एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जिसका वीडियो पैपराजी ने पोस्ट किया है। इस वीडियो को देखने को बाद लोगों की निगाहें उनके कपड़ों पर ही टिकी रहीं।

लोगों को अटपटा लगा दीपिका का लुक

दीपिका पादुकोण ने लूज फिट वाली डेनिम के साथ लेवेंडर कलर का जंपर पहना है। इसे उन्होंने व्हाइट शर्ट के साथ स्टाइल किया है। इस वीडियो को देखने के बाद फैंस

उनके जंपर को देख परेशान हो रहे हैं और एक ही सवाल कर रहे हैं कि इतनी गर्मी में दीपिका ने आखिर स्वेटर क्यों पहना है। लोग का पूरा ध्यान उनके जंपर पर ही है। वैसे बॉलीवुड एक्टर्स गर्मी में भी हैवी विंटर के कपड़े पहने दिख जाते हैं। उसकी वजह उनकी विदेश यात्रा होती है। दरअसल, वो जिस देश की यात्रा कर रहे होते हैं उसके क्लाइमेट और वेदर के हिसाब से कपड़े कैरी कर लेते हैं। ऐसा ही दीपिका पादुकोण के साथ भी हुआ।

गर्मी में स्वेटर पहनने को लेकर हुई ट्रोल

कई लोगों ने मजेदार कमेंट करके एक्ट्रेस से सवाल भी किया है। एक शख्स ने लिखा, इतनी गर्मी में ये स्वेटर क्यों पहने हैं। वहीं एक अन्य शख्स ने लिखा, मुंबई क्या इंडिया से बाहर चला गया है? भारत में तो थंड नहीं है। वहीं एक व्यक्ति ने लिखा, बाकी तो ठीक है, लेकिन सेलिब्रिटी गर्मी में सर्दी के कपड़े क्यों पहनते हैं। गर्मी में स्वेटर पहनने का क्या ही लॉजिक है। एक ने तो हद ही कर दी और लिखा, कभी गर्मी में सर्दी के कपड़े पहन लेंगी और कभी कुछ पहनेंगी ही नहीं। ऐसे अटपटे कमेंट्स से कमेंट सेक्शन भरा पड़ा है।

एमी जैक्सन ने ब्रालैस ड्रेस में हिलाया इंटरनेट

साउथ फिल्म अदाकारा एमी जैक्सन इन दिनों अपने बॉयफ्रेंड एड वेस्टविक के साथ इंडिया टूर पर हैं। इस दौरान अदाकारा मुंबई में अपने बॉयफ्रेंड संग स्पॉट हुईं। जहां अदाकारा ने बेहद अजीबो-गरीब ड्रेसिंग लुक से लोगों का ध्यान खींच लिया। अदाकारा एमी जैक्सन इस दौरान ब्रालैस मोनोकिनी टाइप टॉप पहने हुए लूज पैंट के

साथ नजर आईं। जिसे देख लोगों का दिमाग सन्न रह गया। अदाकारा एमी जैक्सन की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही आग की तरह फैंली। अदाकारा एमी जैक्सन हाल ही में मुंबई में अपने बॉयफ्रेंड एड वेस्टविक के साथ स्पॉट हुईं। अदाकारा एमी जैक्सन का ये लुक इंटरनेट यूजर्स को कुछ समझ नहीं आया। जिसके बाद लोग जमकर अदाकारा को ट्रोल करने लगे।

सानिया की वजह से जेल जा चुका हैं भोजपुरी सिनेमा का ये सुपरस्टार

कभी लिट्टी चोखा बेचने वाले खेसारी लाल यादव आज भोजपुरी सिनेमा के टॉप स्टार्स की लिस्ट में शामिल हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अपनी लाइफ के दौर में एक्टर जेल की हवा खा चुके हैं। खेसारी लाल यादव बेहतरीन एक्टर और सिंगर तो हैं ही, साथ ही उनका विवादों से भी गहरा नाता रहा है, लेकिन एक बार खेसारी के एक गाने पर विवाद इतना बढ़ गया था कि उन्हें जेल तक जाना पड़ा था। जानिए क्या है पूरा मामला..। दरअसल जिस गाने को लेकर खेसारी को जेल जाना पड़ा था वो उन्होंने इंडिया की स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा पर बनाया था। जब सानिया ने वो गाना सुना तो उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं आया और उन्होंने खेसारी पर केस दर्ज करवा दिया। इस गाने को लेकर एक इंटरव्यू में खेसारी ने कहा था कि, जब सानिया मिर्जा ने शोएब मलिक से सगाई की थी, तो मैंने उनपर एक गाना बनाया था।

जिसे सुनकर उन्होंने मुझपर मानहानि का केस कर दिया था तब मुझे तीन दिन तक जेल में रहना पड़ा था। बता दें कि खेसारी लाल यादव का बचपन बहुत ही गरीबी में गुजरा है। यही वजह है घर का गुजारा चलाने के लिए उन्होंने कई सालों कर कड़ी मेहनत की है। फेमस होने से पहले एक्टर ने दूध और लिट्टी चोखा बेचने का भी काम किया है, लेकिन आज खेसारी लाल यादव करोड़ों रूपये की संपत्ति के मालिक है।

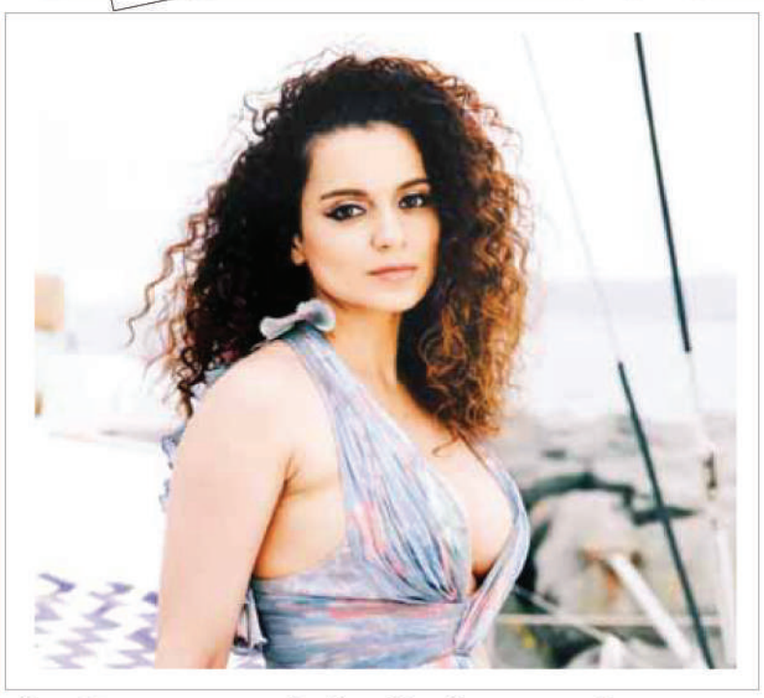

रिवॉल्वर रानी के किसिंग सीन पर कंगना रनौत ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड के पंगा गर्ल यानी कंगना रनौत अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में कंगना रनौत को लेकर एक खबर सामने आई है, जिसमें ये बताया गया है कि वो जल्दी ही बुआ बनने वाली हैं। साथ ही एक्ट्रेस इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म तेजस की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। इस बीच कंगना रनौत ने स्टैंड अप कॉमेडियन और एक्टर वीर दास को किस किए जाने पर रिएक्ट किया है। इस दौरान बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने ऐसी बात कह दी है कि सभी लोग दंग रह गए हैं।

कंगना रनौत ने कही ये बात

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें को कंगना रनौत ने अपनी फिल्म रिवॉल्वर रानी में एक सीन के लिए वीर दास को किस किया था।

इसके बाद कंगना को चोट लग गई थी। दरअसल, कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाई है, जो कि इंटरनेट पर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। कंगना रनौत ने लिखा, ऋतिक रोशन के बाद मैंने बेचारे वीर दास की इज्जत लूट ली? ये कब हुआ? बता दें कि कंगना रनौत और ऋतिक रोशन ने एक दूसरे को डेट किया था। हालांकि बाद में दोनों अलग हो गए। इसके बाद से ही कंगना रनौत और ऋतिक रोशन के बीच छत्तीस का आंकड़ा देखने को मिलता है।

साउथ के दरवाजे बंद हो सकते हैं बॉलीवुड सितारों के लिए

यह खबर उन बॉलीवुड एक्टरों के लिए परेशान करने वाली है, जिन्हों हिंदी फिल्मों के बड़ी संख्या में फ्लॉप होने के बाद साउथ में काम करने का मन बना रहा है, लेकिन अब दक्षिण भारतीय फिल्मों के कर्मचारी महासंघ ने तमिल फिल्म उद्योग के लिए नियमों की बात की है। फिल्म एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ साउथ इंडिया ने कहा है कि केवल तमिल अभिनेताओं को ही तमिल फिल्मों में अभिनय करने की अनुमति दी जाएगी। इसका मतलब है कि तमिल फिल्मों में हिंदी समेत दूसरी भाषाओं के कलाकारों को काम करने का मौका नहीं मिलेगा। हालांकि कई लोगों ने इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए, आपत्ति की है।

पैन-इंडिया का दौर

असल में इस दौर में देश की तमाम फिल्म इंडस्ट्रीज पैन-इंडिया फिल्में बनाने की कोशिश कर रही हैं। जिनमें अलग-अलग इंडस्ट्री में काम करने वाले एक्टर एक ही फिल्म में नजर आते हैं। पैन-इंडिया फिल्मों की वकालत करने वालों वालों का कहना है कि ऐसे वक्त में एफईएफएसआई द्वारा यह कहने का कोई मतलब नहीं है कि तमिल फिल्मों में बाहरी कलाकारों को अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे बेतुके विचारों से अंतत: बिजसेन को नुकसान होने के साथ-साथ तमिल इंडस्ट्री को भी घाटा होगा। एफईएफएसआई ने एक्टरों के साथ फिल्म की शूटिंग के लिए भी नियम बनाए हैं।

एफईएफएसआई का मानना है कि शूटिंग दूसरे राज्यों या अन्य देशों में करने से राज्य से रोजगार के मौके बाहर जाते हैं। फेडरेशन ने नियम जारी करते हुए यह भी कहा है कि नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि एफईएफएसआई के इस रवैये की तमिल इंडस्ट्री के अंदर और बाहर तीखी आलोचना हुई है। हाल में तमिल की सबसे बड़ी फिल्म पीएस 1 और पीएस 2 का उदाहरण देते हुए कहा जा रहा है कि अगर बॉलीवुड स्टार ऐश्वर्या राय बच्चन इसमें नहीं होतीं क्या इसे इतनी सफलता मिलती।

शूटिंग भी बाहर नहीं

एफईएफएसआई के द्वारा बनाए एक और नियम में कहा गया है कि तमिल फिल्में विशेष रूप से तमिलनाडु के अंदर ही बनाई जानी चाहिए। इनकी शूटिंग किसी अन्य राज्य या किसी अन्य देश में नहीं की जानी चाहिए। एफईएफएसआई का मानना है कि शूटिंग दूसरे राज्यों या अन्य देशों में करने से राज्य से रोजगार के मौके बाहर जाते हैं। फेडरेशन ने नियम जारी करते हुए यह भी कहा है कि नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि एफईएफएसआई के इस रवैये की तमिल इंडस्ट्री के अंदर और बाहर तीखी आलोचना हुई है। हाल में तमिल की सबसे बड़ी फिल्म पीएस 1 और पीएस 2 का उदाहरण देते हुए कहा जा रहा है कि अगर बॉलीवुड स्टार ऐश्वर्या राय बच्चन इसमें नहीं होतीं क्या इसे इतनी सफलता मिलती। बॉलीवुड स्टार ऐश्वर्या इस फिल्म की जान थीं। फिलहाल किसी बॉलीवुड स्टार ने तमिल इंडस्ट्री के इस फरमान पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

संक्षिप्त खबरें

मेटालिक्स का अधिग्रहण

नई दिल्ली। रामकृष्ण फोर्जिंग्स ने कहा कि उसने मल्टीटेक आटो प्राइवेट लिमिटेड और उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी माल मेटालिक्स प्राइवेट लिमिटेड का 205 करोड़ रुपए में अधिग्रहण किया है। मल्टीटेक आटो और माल मेटालिक्स गाड़ियों के लिए असेंबली टाप कवर, शिफ्ट सिलेंडर, असेंबली गियर, डिफरेंशियल केस और डिफरेंशियल कवर जैसे विभिन्न हिस्सों का विनिर्माण करते हैं। रामकृष्ण फोर्जिंग्स ने एक बयान में कहा कि उसने मल्टीटेक आटो और उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी माल मेटालिक्स का 205 करोड़ रुपए में अधिग्रहण किया है।

केनरा बैंक का लाभ बढ़ा

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाले केनरा बैंक ने सोमवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 75 प्रतिशत बढ़कर 3,535 करोड़ रुपए हो गया। बैंक ने बताया कि फंसे हुए कर्ज में गिरावट और ब्याज आय में वृद्धि से उसे मदद मिली। बेंगलुरु स्थित ऋणदाता ने एक साल पहले की अवधि में 2,022 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। केनरा बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि 2023-24 की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 29,828 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 23,352 करोड़ रुपए थी।

जेके बैंक को दोगुना मुनाफा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में 96 प्रतिशत बढ़कर 326 करोड़ रुपए हो गया। बैंक ने बताया कि फंसे कर्ज में कमी के कारण उसके प्रदर्शन में सुधार हुआ। श्रीनगर स्थित बैंक ने एक साल पहले इसी अवधि में 166 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। बैंक में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की 63.41 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जेएंडके बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि 2023-24 की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,885 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले समान अवधि में 2,306 करोड़ रुपए थी।

जेएलआर की रिकार्ड बिक्री

नई दिल्ली। जेएलआर इंडिया ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान किसी भी पहली तिमाही में सर्वाधिक बिक्री का रिकार्ड बनाया है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि जून तिमाही में उसकी खुदरा बिक्री पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 102 प्रतिशत बढ़कर 1,048 इकाई हो गई। जेएलआर इंडिया ने बयान में कहा कि रेंज रोवर, रेंज रोवर स्पोर्ट और डिफेंडर की बिक्री में 209 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि से ऐसा संभव हो सका। कंपनी के पोर्टफोलियों में इन तीनों माडलों की मांग लगातार बनी हुई है।

टेकटेक्स का आईपीओ कल

नई दिल्ली। टेक्निकल कपड़े बनाने वाली कंपनी श्री टेकटेक्स का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 26 जुलाई को खुलेगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 54-61 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। अहमदाबाद स्थित कंपनी ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक निर्गम 28 जुलाई को बंद होगा। एंकर निवेशक 25 जुलाई को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। आईपीओ के बाद कंपनी के शेयर एनएसई के 'एसएमई इमर्ज' मंच पर सूचीबद्ध होंगे। कंपनी निर्गम से कीमत दायरे के ऊपर 45.14 करोड़ जुटा सकती है। इसमें 74 लाख इक्विटी शेयरों का नया निर्गम शामिल है।

सोना 100 रुपए टूटा

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक रुख के बीच सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 100 रुपये टूटकर 60,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 200 रुपये के नुकसान से 77,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि दिल्ली में सोने के भाव में नरमी आई है। यह 100 रुपये के नुकसान से 60,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है।

160% तक बढ़ा डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन

- बीते नौ साल में हुई यह बढ़ोतरी
- 16.61 लाख करोड़ पर पहुंचा
- सकल कर संग्रह 173% बढ़ा
- प्रत्यक्ष कर जीडीपी अनुपात बढ़ा

नई दिल्ली (वार्ता)।

मोदी सरकार के कार्यकाल में पिछले नौ वर्षों में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 160.17 प्रतिशत बढ़कर 1661428 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है जबकि वर्ष 2013-14 में यह राशि 638596 करोड़ रुपए रही थी।

वित्त मंत्रालय ने 164वें आयकर दिवस के मौके पर इसको लेकर ट्विटर पर कई ट्विट किए। इसमें कहा गया है कि राजस्व संग्रह में आई तेजी से संग्रह लागत में भी कमी आई है। इसमें कहा गया है कि सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2013-14 में 721604 करोड़ रुपए था जो वित्त वर्ष 2022-23 में 172.83 प्रतिशत बढ़कर 1968780 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2013-14 में प्रत्यक्ष कर जीडीपी अनुपात 5.62 प्रतिशत था जो वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 5.97 प्रतिशत पर पहुंच गया। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2013-14 में संग्रह लागत 0.57 प्रतिशत थी जो वित्त वर्ष 2022-23 में घटकर 0.53 प्रतिशत पर आ गई।

मंत्रालय ने कहा कि करदाताओं की सुविधा के लिए वर्ष 2020 में फेसलेस असेसमेंट की प्रक्रिया शुरू की गई थी जिसका परिणाम बेहतर रहा है। अब तक फेसलेस तरीके से 4.5 लाख असेसमेंट आर्डर पारित किए जा चुके हैं। वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा शुरू की गई है।

24 जुलाई 1860 को सर जेम्स विल्सन ने भारत में आयकर की शुरूआत की थी। हालांकि 1922 में इसको लेकर विस्तृत कानून बनाया गया था और उसी समय देश में आयकर विभाग का सिस्टम बना था।

ईपीएफ ब्याज दर को सरकार की मंजूरी

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि योजना के तहत जमा पर ईपीएफओ द्वारा 28 मार्च को प्रस्तावित 8.15 फीसद ब्याज दर को अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। सोमवार को जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार ईपीएफओ ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को 2022-23 के लिए ईपीएफ पर 8.15 प्रतिशत की दर से ब्याज सदस्यों के खातों में जमा करने के लिए कहा है।

एक लाख करोड़ रुपए का होगा पेंट, कोटिंग उद्योग

कोलकाता (भाषा)।

पेंट बनाने वाली प्रमुख कंपनी अक्जो नोबेल इंडिया के मुताबिक देश में पेंट और कोटिंग उद्योग का आकार अगले पांच साल में एक लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है।

कंपनी ने अपनी ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि पेंट और कोटिंग उद्योग का आकार इस समय लगभग 62,000 करोड़ रुपए है। कंपनी ने कहा कि पेंट और कोटिंग उद्योग में कई तरह के उत्पाद शामिल है। इसमें वास्तुशिल्प खंड की हिस्सेदारी 69 प्रतिशत, और औद्योगिक क्षेत्र की हिस्सेदारी बाकी 31 प्रतिशत है। इस उद्योग का समग्र परिदृश्य आशाजनक बना हुआ है।

यूपी में स्मार्ट मीटर लगाएगी जीएमआर

- इसके लिए कंपनी को मिला 7593 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली (भाषा)।

जीएमआर पावर एंड अर्बन इंफ्रा लिमिटेड (जीपीयूआईएल) ने सोमवार को कहा कि उसकी सहायक कंपनी जीएमआर स्मार्ट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन को उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने के लिए 7,593 करोड़ रुपए का ठेका मिला है।

इस स्मार्ट मीटर परियोजना को भारत सरकार की संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत सुरक्षित किया गया है। कंपनी ने बताया, 'सहायक कंपनी जीएमआर स्मार्ट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन प्राइवेट लिमिटेड को 7,593 करोड़ रुपए का प्रतिष्ठित ठेका मिला है। डीबीएफओओटी (डिजाइन, निर्माण, वित्त, स्वामित्व, परिचालन और हस्तांतरण) माडल के तहत मिले ठेके में दो बिजली वितरण कंपनियों- दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (डीवीवीएनएल) और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीयूवीवीएनएल) में 75.69 लाख प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं।' इस परियोजना के दायरे में राज्य के 22 जिले शामिल हैं, जिनमें वाराणसी, प्रयागराज, आगरा, मथुरा और अलीगढ़ प्रमुख हैं।

जीएमआर समूह के चेयरमैन (ऊर्जा) श्रीनिवास बोम्मिडाला ने कहा, 'ये उपलब्धि ग्राहक-केंद्रित वृद्धि रणनीति के साथ हरित और प्रौद्योगिकी-आधारित ऊर्जा व्यवसाय में आगे बढ़ने की जीएमआर की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।'

- दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम व पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में लगने हैं 76 लाख प्रीपेड स्मार्ट मीटर
- वाराणसी, मथुरा, आगरा, प्रयागराज और अलीगढ़ जैसे शहरों में लगाए जाएंगे ये मीटर

मुंबई में ₹10 करोड़ से अधिक दाम वाले घरों की बिक्री 49% बढ़ी

नई दिल्ली (भाषा)।

मुंबई में 10 करोड़ रुपए से अधिक कीमत वाले घरों की बिक्री चालू साल के पहले छह माह जनवरी-जून के दौरान 49 प्रतिशत बढ़ी है। यह आंकड़ा मूल्य के लिहाज से 11,400 करोड़ रुपए रहा।

इंडिया सोथबीज इंटरनेशनल रियल्टी और सीआरई मैट्रिक्स की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

एक साल पहले इसी अवधि में 10 करोड़ रुपए से महंगे मकानों की बिक्री 7,660 करोड़ रुपए थी। मुंबई में लक्जरी अपार्टमेंट की मांग मुख्य रूप से उद्योगपतियों, बॉलीवुड हस्तियों और उच्च वेतनभोगी कर्मचारियों की तरफ से आई। इंडिया सोथबीज इंटरनेशनल रियल्टी के प्रबंध निदेशक अमित गोयल ने कहा कि पहली छमाही में लक्जरी मकानों की बिक्री में आया उछाल उद्योग की दृष्टि से सकारात्मक है।

चीन की कंपनी का ईवी संयंत्र लगाने का आवेदन खारिज

- इस परियोजना पर किया जाना था एक अरब अमेरिकी डालर का निवेश

नई दिल्ली (भाषा)।

सरकार ने चीन की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माता बीवाईडी और उसकी भारतीय भागीदार मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) के एक अरब अमेरिकी डालर के निवेश से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) संयंत्र लगाने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एमईआईएल और बीवाईडी के एक संयुक्त उद्यम ने सरकार को तेलंगाना में इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन संयंत्र लगाने का प्रस्ताव दिया था। इस पर एक अरब अमेरिकी डालर (लगभग 8,200 करोड़ रुपए) का निवेश किया जाना था।

सूत्रों ने बताया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को यह प्रस्ताव भेजा गया था। इस प्रस्ताव को जरूरी पड़ताल एवं मंजूरियों के लिए भारी उद्योग मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के पास भी भेजा गया था। सूत्रों के मुताबिक, सरकार के स्तर पर इस प्रस्ताव के तमाम पहलुओं पर गौर करने के बाद इसे मंजूरी नहीं देने का फैसला किया गया है। इस बारे में प्रतिक्रिया के लिए बीवाईडी को भेजे गए ईमेल का फिलहाल कोई जवाब नहीं आया है। उसकी साझेदार एमईआईएल ने भी इस घटनाक्रम के बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बीवाईडी फिलहाल एमईआईएल की ओलेक्ट्रा में प्रौद्योगिकी साझेदार के तौर पर जुड़ी हुई है। निवेश प्रस्ताव में विदेशी कंपनी के साझेदार होने से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों के तहत इसकी पड़ताल करनी जरूरी होती है। प्रावधानों के मुताबिक, भारत से जमीनी सीमा से सटे देशों से आने वाले किसी भी निवेश प्रस्ताव की सघन समीक्षा की जाती है और उसे कई मंत्रालयों की मंजूरी लेनी होती है।

- भारतीय सहयोगी मेघा इंजीनियरिंग के साथ यह संयंत्र लगाना चाहती थी चीन की कंपनी बीवाईडी
- तेलंगाना में लगाया जाना था इलेक्ट्रिक वाहन संयंत्र
- भारी उद्योग मंत्रालय, गृह मंत्रालय व विदेश मंत्रालय को भेजा गया था प्रस्ताव
- सघन जांच के बाद कंपनी के इस प्रस्ताव को नहीं मिल सकी मंजूरी
- बीवाईडी को भेजे गए ई मेल में कंपनी ने नहीं दी है अपनी कोई प्रतिक्रिया

सरकार ने भारत से जमीन से जुड़े हुए पड़ोसी देशों से आने वाले किसी भी निवेश प्रस्ताव पर पूर्व-अनुमति को अनिवार्य कर दिया है। यह नियम चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यामां और अफगानिस्तान के लिए लागू है। भारत को अप्रैल, 2000 से लेकर मार्च, 2023 के बीच चीन से कुल 2.5 अरब डालर का एफडीआई मिला है।

कागज उद्योग में पानी का इस्तेमाल घटा

- अब यह उद्योग कागज उत्पादन में 80 फीसद कम इस्तेमाल कर रहा है पानी

नई दिल्ली (भाषा)।

देश में कागज उद्योग ने पानी की खपत में 80 प्रतिशत की कटौती की है और वह इसमें और कमी लाने पर विचार कर रहा है। इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) सोमवार को यह जानकारी दी। आईपीएमए ने कहा कि उद्योग ने पिछले कुछ साल में टिकाऊ या सतत उत्पादन प्रक्रियाओं में 25,000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है।

आईपीएमए ने बयान में कहा कि कई उद्योग के कारोबारियों ने अपने कार्बन और जल उत्सर्जन को कम करने के लिए पर्यावरण-अनुकूल उपाय किए है। एक बयान में कहा गया है कि कंपनियों ने पानी और ऊर्जा दक्षता हासिल करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी समाधान को तैनात करने के अलावा खुद के लिए बिजली का उत्पादन किया है। आईपीएमए के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने कहा, 'एकीकृत पेपर मिलों ने एक टन कागज का उत्पादन करने के लिए पानी के उपयोग को पहले के 200 घनमीटर से घटाकर 40 घनमीटर कर दिया है। इसे और कम करने के लिए एक ठोस प्रयास किया जा रहा है।'

अग्रवाल ने कहा, 'भारतीय कागज उद्योग ने पिछले कुछ वर्षों में टिकाऊ उत्पादन प्रक्रिया और क्षमता में 25,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है।' अग्रवाल ने कहा कि कागज उद्योग ने बिजली की खपत कम कर दी है और एकीकृत संयंत्र पल्पिंग प्रक्रिया से बायोमास का उपयोग करके 40 प्रतिशत बिजली का उत्पादन कर रहे है।

रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ 81.83 प्रति डालर पर

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में तेज उछाल से निवेशकों की धारणा मजबूत होने का असर रुपए पर देखने को मिला और भारतीय मुद्रा सोमवार को डालर के मुकाबले 15 पैसे बढ़कर 81.83 (अस्थायी) पर बंद हुई।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डालर के मुकाबले 82 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 81.82 का निचला तथा 82.04 का ऊपरी स्तर देखा। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले 81.98 पर बंद हुआ था। शेयरखान बीएनपी पारिबा के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में तेज उछाल से रुपये को मजबूती मिली।

धान की बुवाई तीन फीसद तक बढ़ी

- खरीफ सत्र में दलहन का रकबा 10 फीसद घटा

नई दिल्ली (भाषा)।

चालू खरीफ सत्र (ग्रीष्मकालीन बुवाई) में 21 जुलाई तक धान की बुवाई का क्षेत्रफल तीन प्रतिशत बढ़कर 180.2 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि दलहन का रकबा 10 प्रतिशत घटकर 85.85 लाख हेक्टेयर रह गया है।

कृषि मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पिछले साल इसी अवधि में धान का रकबा 175.47 लाख हेक्टेयर और दलहन का रकबा 95.22 लाख हेक्टेयर था। धान खरीफ की मुख्य फसल है, जिसकी बुवाई आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून के साथ शुरू होती है। देश के कुल चावल उत्पादन का लगभग 80 प्रतिशत खरीफ सत्र से आता है। आंकड़ों के अनुसार, श्री अन्न या मोटे अनाज का रकबा 21 जुलाई तक बढ़कर 134.91 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल इसी अवधि में 128.75 लाख हेक्टेयर था।

गैर-खाद्यान्न श्रेणी में तिलहन का रकबा बढ़कर 160.41 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल की इसी अवधि में 155.29 लाख हेक्टेयर था। मूंगफली का रकबा 34.56 लाख हेक्टेयर से थोड़ा बढ़कर 34.94 लाख हेक्टेयर हो गया है। वहीं सोयाबीन का रकबा 111.31 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 114.48 लाख हेक्टेयर हो गया है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कपास का रकबा 109.99 लाख हेक्टेयर से मामूली गिरावट के साथ 109.69 लाख हेक्टेयर रह गया। गन्ने का रकबा 53.34 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 56 लाख हेक्टेयर रहा।

सभी प्रमुख खरीफ फसलों का कुल रकबा शुक्रवार (21 जुलाई) तक बढकर 733.42 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल की इसी अवधि में 724.99 लाख हेक्टेयर था।

काफी डे ग्लोबल भी दिवाला कंपनियों की कतार में

- एनसीएलटी ने स्वीकार किया कर्जदाता का आवेदन
- काफी डे को एनसीएलटी के आदेश का इंतजार

नई दिल्ली (भाषा)।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण ने कैफे काफी डे चलाने वाली काफी डे ग्लोबल लि. के खिलाफ कारपोरेट ऋण शोधन समाधान प्रक्रिया शुरू करने को लेकर याचिका स्वीकार कर ली है।

काफी डे ग्लोबल लि. (सीजीडीएल) की मूल कंपनी काफी डे एंटरप्राइजेज लि. ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि न्यायाधिकरण की बेंगलुरु पीठ ने कंपनी के वित्तीय कर्जदाता के आवेदन को स्वीकार करते हुए आदेश जारी किया हे। कर्जदाता का कंपनी के ऊपर 94 करोड़ रुपए का बकाया है।

कंपनी ने कहा, 'एक कर्जदाता ने प्रमुख अनुषंगी सीजीडीएल के खिलाफ एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ के समक्ष आवेदन दिया है।

आवेदन को दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा सात के तहत 94 करोड़ रुपए के बकाए को लेकर कारपोरेट ऋण शोधन समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू करने के लिए स्वीकार कर लिया गया है।'

हालांकि, काफी डे ग्लोबल लि. (सीजीडीएल) को एनसीएलटी से लिखित आदेश का इंतजार है।

सीजीडीएल की एकीकृत आय 2022-23 में 920.41 करोड़ रुपए थी। उसे उस साल 67.77 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। कंपनी के संस्थापक चेयरमैन वीजी सिद्धार्थ के जुलाई, 2019 में निधन के बाद काफी डे एंटरप्राइजेज संकट में है। कंपनी परिसंपत्ति समाधान के माध्यम से अपने कर्ज को कम कर रही है और इसमें काफी कमी भी आई है।

वैश्विक वृद्धि के विशाल रंगमंच पर करिश्माई नेतृत्व दे रहा भारत

- उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा, अब ज्यादा चमकदार तस्वीर पेश कर रही है भारत की आर्थिक दास्तान

नई दिल्ली (भाषा)।

उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा है कि भारत की आर्थिक दास्तान एक 'अधिक चमकदार तस्वीर' पेश करती है और ढांचागत क्षेत्र को सरकार के प्रोत्साहन और व्यावहारिक नीतियों से निजी क्षेत्र का पूंजीगत व्यय बढ़ा है।

आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन बिड़ला ने अल्ट्राटेक सीमेंट की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा है कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि के विशाल रंगमंच पर भारत सिर्फ एक दर्शक के रूप में खड़ा न होकर एक करिश्माई नेतृत्व प्रदान कर रहा है।

बिड़ला ने कहा, 'ढांचागत क्षेत्र में निवेश को सरकार के प्रोत्साहन और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) जैसी व्यावहारिक नीतियों से निजी क्षेत्र का पूंजीगत व्यय बढ़ा है। इससे कई वर्षों तक चलने वाला तेजी का दौर शुरू होता है जो नरम पड़ती वैश्विक मांग में भी आर्थिक वृद्धि को मूल्यवान समर्थन देता है।'

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर परिचालन करने वाली कंपनियां अब 'चीन प्लस वन' रणनीति के तहत अन्य देशों पर नजरें टिकाए हुए हैं और भारत इस स्थिति का फायदा उठाने के लिए बेहतर स्थिति में है।

- पीएलआई जैसी योजनाओं से बढ़ा है निजी क्षेत्र का पूंजीगत खर्च
- मुद्रास्फीति घटने व विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने से मिला है सहारा

उन्होंने वैश्विक स्तर पर और भारत में मुद्रास्फीति के अब चरम पर पहुंच जाने का जिक्र करते हुए कहा, 'मुद्रास्फीति में कमी, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और बैंक संपत्तियों की गुणवत्ता में सुधार वैश्विक बाजारों में संभावित अस्थिर घटनाओं के खिलाफ एक बड़ा सहारा प्रदान करता है।'

उन्होंने कहा, 'किसी भी औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के विकास का एक प्रमुख घटक आत्मविश्वास से भरपूर एवं कुशल कार्यबल की मौजूदगी है।

भारत ने जनसंख्या के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है और पहले से ही यहां विश्व स्तर पर सबसे बड़ी और सबसे युवा कामकाजी उम्र वाली आबादी है।' बिड़ला ने अल्ट्राटेक सीमेंट के प्रदर्शन पर कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 में 63,240 करोड़ रुपये (7.9 अरब डालर) का शुद्ध राजस्व अर्जित करने के साथ 10 करोड़ टन सीमेंट बिक्री का मुकाम भी हासिल किया है।

उन्होंने कहा कि कंपनी ने विस्तार के अगले चरण पर पहले ही काम शुरू कर दिया है और सभी मौजूदा परियोजनाएं पूरी होने के बाद इसकी उत्पादन क्षमता 16 करोड़ टन सालाना से अधिक हो जाएगी।

बारिश ने किरकिरा किया मैच का मजा

भारत ने वेस्टइंडीज से लगातार 9वीं टेस्ट सीरीज जीती, दूसरा टेस्ट मैच ड्रॉ

पोर्ट ऑफ स्पेन, एजेंसी। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार नौवीं टेस्ट सीरीज जीत ली है। टीम ने मौजूदा सीरीज 1-0 से अपने नाम की। सीरीज का दूसरा मुकाबला ड्रा रहा। वेस्टइंडीज ने भारत से आखिरी टेस्ट सीरीज 2002 में जीती थी। पोर्ट ऑफ स्पेन में खेले गए इस मुकाबले का पांचवां और आखिरी दिन बारिश के नाम रहा।

दोपहर तक रुक-रुककर बारिश होती रही और एक भी बॉल नहीं डाली जा रही। ऐसे में मैच ड्रा कर दिया गया, चूंकि भारतीय टीम ने पहला मुकाबला पारी और 141 रनों से जीता था। इसलिए यह सीरीज टीम इंडिया के नाम रही। रविवार को चौथे दिन वेस्टइंडीज को 365 रन का टारगेट मिला था और टीम ने स्टंप्स तक 2 विकेट पर 76 रन बना लिए थे। टीम इंडिया अब 27 जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी।

भारत को बांटने पड़े 4 अंक

आखिरी दिन बारिश का सबसे ज्यादा नुकसान भारत को हुआ, क्योंकि टीम को 4 अंक वेस्टइंडीज के साथ साझा करने पड़े। यदि दिन का खेल होता, तो भारत के पास विंडीज को ऑलआउटकर पूरे 24 अंक मिलते।

पहले सेशन का खेल बारिश में धुला

आखिरी दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले सेशन का खेल बारिश के कारण नहीं हो सका। यहां सुबह से तेज बारिश होती रही।

अश्विन-जडेजा की जोड़ी के 500 टेस्ट विकेट पूरे

रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की जोड़ी ने मिलकर 500 टेस्ट विकेट पूरे कर लिए हैं। यानी दोनों ने साथ में टेस्ट खेलते हुए 500 शिकार कर लिए हैं, इनमें अश्विन ने 274 और जडेजा ने 226 विकेट हासिल किए। टॉप विकेट-टेकर इंडियन स्पिन जोड़ी की बात करें तो हरभजन सिंह ने अनिल कुंबले के साथ मिलकर सबसे ज्यादा 501 विकेट लिए हैं।

करमन ने इवान्सविल में जीता ऐतिहासिक खिताब

इवान्सविल, एजेंसी। भारतीय टेनिस खिलाड़ी करमन कौर थांडी ने यहां आयोजित आईटीएफ डब्ल्यू60 इवान्सविल के फाइनल में यूक्रेन की यूलिया स्तारोदुब्तसेवा को हराकर एकल खिताब जीत लिया है। राउंडग्लास अकादमी की करमन ने फाइनल में अपने यूक्रेनी प्रतिद्वंदी को 7-5, 4-6, 6-1 से मात दी। इस जीत के साथ करमन सानिया मिर्जा के बाद अमेरिका में प्रो खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला बन गईं।

करमन ने फाइनल तक पहुंचने के लिए पहले राउंड में मेक्सिको की मारिया फर्नांडा नवारो और दूसरे राउंड में अमेरिका की मारिबेला जमारिप्पा को हराया था। क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की वाइल्ड कार्ड प्रवेशी एली किक को सीधे सेटों में हराने के बाद उन्होंने सेमीफाइनल में अमेरिका की मेकार्टनी केसलर को मात दी थी। करमन वर्तमान में डब्ल्यूटीए एकल रैंकिंग में 261वें स्थान पर हैं और देश की दूसरे नंबर की महिला खिलाड़ी हैं। वह हाल ही में कनाडा के सास्काटून चैलेंजर डब्ल्यू60 की युगल स्पर्धा और अमेरिका में आयोजित डब्ल्यू60 सुमेर पाल्मेटो प्रो ओपन की एकल स्पर्धा में उपविजेता रही थीं। करमन राउंडग्लास टेनिस अकादमी के तकनीकी निदेशक और कोच आदित्य सचदेवा एवं उनकी टीम के साथ प्रशिक्षण ले रही हैं।

कोच सचदेवा बोले-इस जीत से बढ़ेगा आत्मविश्वास

कोच सचदेवा ने कहा, दो बार उपविजेता रहने के बाद यह जीत करमन का आत्मविश्वास बढ़ाने एक अच्छे समय पर आई है, क्योंकि वह अमेरिकी ओपन में जगह बनाने के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। उनका हालिया फॉर्म उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ता का प्रमाण है। उम्मीद है कि वह इस फॉर्म को बनाए रख सकेंगी।

क्या पाक ने दुनिया की आंखों में धूल झोंकी? इमर्जिंग कप में खेले 35 साल के खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। एसीसी मेन्स इमर्जिंग टीम्स एशिया कप का पांचवां सीजन रविवार को ही खत्म हुआ है। इस भारत और पाकिस्तान समेत टूर्नामेंट में कुल 8 देशों की अंडर-23 टीमों ने हिस्सा लिया। मगर यहां देखने वाली बात है कि लगभग सभी टीमों में इससे ज्यादा उम्र के खिलाड़ी खेलते नजर आए।

इमर्जिंग एशिया कप का पहला सीजन 2013 में हुआ था, तब सभी टीमों के नाम के आगे अंडर-23 लिखा गया था। मगर इस बार पाकिस्तान-ए और भारत-ए कहा जा रहा है। इस टूर्नामेंट का नाम इमर्जिंग इसलिए ही रखा गया है, ताकी इसमें उन उभरते हुए युवा खिलाड़ियों को मौका मिल सके, जो इंटरनेशनल मैच नहीं खेल सके।

हालांकि नियम के अनुसार इस इमर्जिंग एशिया कप में खेलने के लिए खिलाड़ियों की कोई उम्र निर्धारित नहीं है। मगर यह माना जाता रहा है कि इसमें अंडर-23 के ही खिलाड़ियों को मौका दिया जाता है। मगर इस बार ऐसा देखने को नहीं मिला है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि फिर इस टूर्नामेंट का नाम इमर्जिंग क्यों रखा जाता है?

पाकिस्तान के लिए 29 साल के खिलाड़ी ने मारा शतक

इस बार इमर्जिंग एशिया कप में 29, 30 और 35 साल के खिलाड़ी भी खेलते नजर आए हैं। 2023 सीजन का फाइनल मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में रविवार को खेला गया, जिसमें पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 128 रनों से करारी शिकस्त दी। फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के लिए तैयब ताहिर ने 71 गेंदों पर 128 रनों की आतिशी पारी खेली थी। यही पारी बड़ा अंतर रही और पाकिस्तान ने खिताब जीता। मगर यहां देखने समझने वाली बात ये भी है कि ताहिर 29 साल के खिलाड़ी हैं और पाकिस्तान के लिए 3 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले भी खेल चुके हैं। फाइनल में 65 रन बनाने वाले साहिबजादा फरहान की उम्र 27 साल है। वो भी पाकिस्तान के लिए 3 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके हैं। पाकिस्तान टीम के लिए तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे, टी20) खेल चुके 21 साल के मोहम्मद वसीम भी इस टूर्नामेंट में खेले थे।

इन टीमों में भी खेल चुके हैं बड़ी उम्र के कैप्ड प्लेयर

ऐसे में फैन्स अब यह भी मानने लगे होंगे कि पाकिस्तान ने दुनिया की आंख में धूल झोंकी है। मगर ऐसा नहीं है। पाकिस्तान के अलावा भी बाकी टीमों में कई बड़ी उम्र के कैप्ड प्लेयर खेल चुके हैं। अफगानिस्तान की टीम में 35 साल के नूर अली जादरान भी खेलते नजर आए थे। वो अब तक 51 वनडे और 19 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। 2009 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू के बाद जादरान लगातार टीम में खेलते रहे हैं। बांग्लादेश के लिए भी 30 साल के स्टार प्लेयर सौम्य सरकार खेलते दिखाई दिए थे। वो अब तक वनडे वर्ल्ड कप 2019 के अलावा टी20 वर्ल्ड कप 2021, 2022 भी खेल चुके हैं। हालांकि बांग्लादेश टीम सेमीफाइनल भी नहीं खेल सकी। दूसरी ओर श्रीलंकाई टीम में भी 25 साल के अविष्का फर्नांडो खेलते नजर आए। यह स्टार ओपनर अब तक 29 वनडे और 33 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुका है। उनके नाम वनडे में 990 और टी20 में 337 रन दर्ज हैं। ऐसे में अब फैन्स के मन में यही सवाल उठ रहे हैं कि इस टूर्नामेंट के नाम में से इमर्जिंग शब्द हटा देना चाहिए।

पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम में कोई बदलाव नहीं

एशेज सीरीज

लंदन, एजेंसी। मैनचेस्टर में ड्रा के कारण एशेज गंवाने के बाद इंग्लैंड ने ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट के लिए अपनी 14-सदस्यीय स्क्वाड में कोई बदलाव नहीं किया है। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले गए मुकाबले में ज्यादातर समय हावी रहने के बावजूद पांचवें दिन की मूसलाधार बारिश के कारण इंग्लैंड को ड्रा से संतोष करना पड़ा। इस ड्रा के कारण ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त भी बना ली। इंग्लैंड भले ही एशेज जीतने की स्थिति में न हो, लेकिन वह सीरीज बराबर कर ऑस्ट्रेलिया को विजयी होने से रोक सकती है।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड की सरजमीन पर आखिरी बार 2001 में एशेज सीरीज जीती थी। इंग्लैंड को पांचवें टेस्ट से पहले वोक्स की फिटनेस पर ध्यान देना होगा।

इंग्लैंड टीम इस प्रकार है..

बेन स्टोक्स (कप्तान), मोईन अली, जेम्स एंडरसन, जॉनी बेयरस्टो, स्टुअर्ट ब्रॉड, हैरी ब्रूक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, जॉश टंग, क्रिस वोक्स, मार्क वुड ।

वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में प्रतिभा दिखाने भारतीय दल कनाडा रवाना...

भोपाल, खेल संवाददाता। कनाडा के विन्निपेग में 28 जुलाई से आठ अगस्त तक वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2023 का आयोजन होगा। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों की पुलिस के 138 खिलाड़ी भाग लेंगे। भारतीय दल में 18 पुलिस एजेंसियां, सीएपीएफ समेत राज्य पुलिस के खिलाड़ी शामिल हैं।

जीपीबीएल में हिस्सा ले सकेंगे खिलाड़ी

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के परिपत्रों को रद्द करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को अगले महीने होने वाले ग्रांप्री बैडमिंटन लीग (जीपीबीएल) के दूसरे सीजन में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। उल्लेखनीय है कि बीएआई ने 10 अप्रैल और पांच जुलाई 2023 को जारी परिपत्रों में खिलाड़ियों 'गैर-मान्यता प्राप्त आयोजनों में हिस्सा न लेने की चेतावनी दी थी।

देहरादून के 'मिनी थाइलैंड' को घूमने के बाद भूल जाएंगे विदेशी नजारे, 100 रुपए में घूम लेंगे गुच्चूपानी

उत्तराखंड में घूमने के लिहाज से कई ऐसी जगहें हैं, जहां पर हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। प्राकृतिक नजारों से घिरे उत्तराखंड में कई मंदिर और हिल स्टेशन मौजूद हैं। वहीं इसकी राजधानी देहरादून में भी कई सारे पर्यटक स्थल हैं, जो न सिर्फ देश बल्कि विदेश के यात्रियों को भी अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर आप भी 2 दिन के लिए देहरादून को घूमने का प्लान बना रहे हैं, इस दौरान आप टपकेश्वर महादेव मंदिर, सहस्त्रधारा, एफआरआई, मालसी डियर पार्क और गुच्चुपानी को एक्सप्लोर कर सकते हैं। हालांकि देहरादून में आपको घूमने के कई विकल्प मिल जाएंगे। लेकिन बता दें कि यहां का एक पर्यटन स्थल इतना ज्यादा फेमस है कि यहां जाने के बाद आपको विदेशी जगह आने का अनुभव होगा। देहरादून की इस जगह को 'मिनी थाइलैंड' भी कहते हैं। गर्मियों के मौसम में मिनी थाइलैंड के नाम से फेमस इस जगह पर जाने का मजा दोगुना हो जाता है। इस जगह का नजारा देख आपको लगेगा कि आप कहीं विदेश में हैं। तो आइए जानते हैं देहरादून के इस 'मिनी थाइलैंड' के बारे में...

देहरादून में गुच्चुपानी- पर्यटकों की देहरादून में पसंदीदा जगहों में से एक गुच्चू पानी है। अंग्रेजों के जमाने में गुच्चुपानी को रॉबर्स केव कहा जाता था। रॉबर्स केव यानी की डाकुओं की गुफा। बता दें कि इसे डाकुओं की गुफा इसलिए कहा जाता था, क्योंकि अंग्रेजों के समय में डाकू डकैती कर सामान सहित इन्हीं गुफाओं में छिप जाया करते थे। राबर्स केव का रास्ता रहस्यमई होने के कारण अंग्रेज यहां तक नहीं पहुंच पाते थे। जिसकी वजह से डकैत बच जाते थे।

गुच्चुपानी में झरना- हालांकि अब गुच्चुपानी एक पर्यटन स्थल बन चुका है। यहां पर हजारों लोग घूमने के लिए आते हैं। इस केव की खास बात यह है कि इसके अंदर एक झरना है। इस झरने से गिरने वाला पानी एक नदी के रूप में पूरी गुफा में फैला हुआ है। इस गुफा के जितने अंदर जाते हैं, पानी का स्तर बढ़ता जाता है। आप गुफा के जितना अंदर जाएंगे यह उतना ही गहरा होता जाएगा। बारिश के समय इस गुफा के पानी का स्तर बढ़ जाता है। वहीं इस पानी में चलने पर आपको सुकून और ठंडक महसूस होगी।

कैसे जाएं रॉबर्स केव- अगर आप भी गुच्चुपानी घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो बता दें कि रॉबर्स केव की दूरी देहरादून रेलवे स्टेशन से करीब 10 किमी है। इस दूरी को आप महज 30 मिनट में पूरी कर सकते हैं। रेलवे स्टेशन से बाहर निकलकर आप टैक्सी से 100-150 रुपए में इस जगह पर पहुंच सकते हैं।

गुच्चुपानी घूमने का खर्च- आपको गुच्चूपानी जाने के लिए सड़क से 5 मिनट की दूरी का पैदल रास्ता तय करना पड़ता है। अगर आप चाहें को रिक्शा भी कर सकते हैं। वहीं गुच्चूपानी घूमने के लिए 30 रुपए का टिकट लगता है और प्रवेश द्वार पर ही किराए की चप्पल मिल जाएगी। क्योंकि अगर आप जूते पहनकर अंदर जाते हैं, तो जूते पानी में भीग जाएंगे। 10 रुपए में किराए की टप्पल मिलेंगी।

आर्मी पब्लिक स्कूल की 13-0 से एकतरफा जीत

भोपाल, खेल संवाददाता। जिला स्तरीय सुब्रतो कप के उद्घाटन मुकाबले में सोमवार को आर्मी पब्लिक स्कूल की टीम ने कमला देवी पब्लिक स्कूल (केडीपीएस) की टीम को 13-0 से रौंद दिया। आईकॉनिक स्कूल में खेले गए इस मुकाबले में आर्मी पब्लिक स्कूल की ओर से आदित्य व अनुष्का ने 3-3, जोया व भविष्य ने 2-2 और भूमि फरदीन व रूपांशी ने एक-एक गोल किया।

एशियाई खेलों के नॉकआउट मैचों से बाहर रह सकती हैं हरमनप्रीत कौर

मुंबई, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान मैदान पर आक्रामक बर्ताव करने और प्रेजेंटेशन में अंपायरों की तीखी आलोचना के कारण भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर एशियाई खेलों के क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल से बाहर रह सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) हरमनप्रीत को चार डिमेरिट अंक देने वाला है, जिसके कारण उनपर दो सीमित ओवर मैचों का प्रतिबंध लगेगा। आईसीसी आचार संहिता नियमों के अनुसार, 'जब कोई खिलाड़ी 24 महीने की अवधि के भीतर चार या अधिक डिमेरिट अंक प्राप्त करता है, तो उसे निलंबन अंकों में बदलकर (खिलाड़ी पर) प्रतिबंध लगाया जाता है।

यूटीटी सीजन-4
बेंगलुरु स्मैशर्स ने पुनेरी पलटन को हराया

पुणे, एजेंसी। भारतीय स्टार पैडलर मनिका बत्रा और नतालिया बाजोर ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे बेंगलुरु स्मैशर्स ने यहां शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, महालुंगे-बालेवाड़ी में चल रहे अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन-4 में ब्लॉकबस्टर मुकाबले में पुनेरी पल्टन को 8-7 से मात दे दी। फ्रैंचाइजी-आधारित लीग टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) के तत्वावधान में नीरज बजाज और वीटा दानी द्वारा किया जाता है। पुनेरी पलटन को टाई जीतने के लिए केवल एक गेम जीतने की जरूरत थी, जब नतालिया महिला एकल का आखिरी मैच खेलने के लिए आई और बेंगलुरु स्मैशर्स को लीग में बने रहने के लिए उसने अर्चना कामथ को 3-0 से हराया। पहले गेम में नतालिया ने 11-8 से रोमांचक जीत दर्ज की। उन्होंने जोरदार फोरहैंड के साथ सटीक बैकहैंड खेला और उसी स्कोरलाइन से दूसरा गेम जीत लिया।

नई पहल.. खिलाड़ियों के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि और बढ़ाई गई, अब 25 से बढ़कर हुई 27 जुलाई

राज्य ई-स्पोर्ट्स जूनियर चैंपियनशिप अब 1 से 10 अगस्त तक

भोपाल, खेल संवाददाता। मध्यप्रदेश में ई-स्पोर्ट्स जूनियर चैंपियनशिप अब 1 से 10 अगस्त तक आयोजित होगी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, अब तक लगभग 28 हजार से ज्यादा युवाओं ने पंजीयन कराया है। यह चैंपियनशिप 1 से 10 अगस्त तक होगी। पंजीयन की अंतिम तिथि को 25 जुलाई से बढ़ा कर 27 जुलाई कर दिया गया है।

युवा ई-स्पोर्ट्स एथलिटों को इस चैंपियनशिप में उनकी रैंकिंग के आधार पर अकादमी में प्रवेश मिलेगा। प्रदेश के युवाओं के लिए 80 प्रतिशत सीट तथा राज्य के बाहर के युवाओं के लिए 20 प्रतिशत सीट निर्धारित है। चयनित युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले गेम्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अकादमी में युवा ई-स्पोर्ट्स एथलीट को चैंपियन गेमर्स बनने के प्रशिक्षण के साथ ही कंटेन्ट क्रिएटर, कास्टर्स, टूर्नामेंट ऑपरेटर्स, कोडर्स, डाटा एनालिस्ट, गेम डेव्हलपर्स आदि के रूप में करियर बनाने का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

दो वर्गों में करा सकते हैं पंजीयन

ई-स्पोर्ट्स जूनियर चैंपियनशिप में 12 से 17 वर्ष के युवा अपना पंजीयन करा सकते हैं। युवा दो वर्ग में ओपन और प्रोफेशनल में सहभागिता कर सकते हैं। युवा टीम के रूप में अथवा व्यक्तिगत स्पर्धा के लिए अपना पंजीयन करा सकते हैं। युवाओं को एसएमएस अथवा व्हाटसएप पर पंजीयन की जानकारी दी जाएगी। व्यक्तिगत पंजीकृत युवाओं को ग्रुप में तथा टीम को स्वतंत्र एंट्री दी जाएगी। अकादमी के चयनित खिलाड़ियों का नाम चैंपियनशिप खत्म होने के 2 सप्ताह के बाद घोषित किए जाएंगे।

खेल मंत्री यशोधरा ने कहा, हम ई-स्पोर्ट्स पॉवर हाउस बनने के लिए तैयार

खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप ही नीतियां बनाई गई हैं। भारत लगभग 630 मिलियन गेमर्स के साथ वैश्विक रूप से ई-स्पोर्ट्स पॉवर हाउस बनने के लिए तैयार है। प्रदेश में स्थापित होने वाली देश की पहली अकादमी होगी, जिसमें युवाओं को विभिन्न गेमिंग के प्रशिक्षण के साथ शिक्षा भी दी जाएगी। इससे युवा न सिर्फपदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे बल्कि वे अपना पेशेवर करियर भी बना सकेंगे।

खाद्य-असुरक्षा वाले घरों में बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं पेश आने की अधिक आशंका : अध्ययन

कनाडियन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित शोध में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (भाषा)। पर्याप्त मात्रा में खाद्य आपूर्ति वाले परिवारों की तुलना में खाद्य-असुरक्षा वाले घरों में रहने वाले बच्चों-किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पेश आने की 55 प्रतिशत अधिक आशंका होती है और उन्हें चिकित्सक के पास जाने की आवश्यकता पड़ती है। एक अध्ययन से यह जानकारी सामने आई है। यह शोध हाल में 'कनाडियन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल' में प्रकाशित हुआ है, जिसमें 32,321 बच्चों एवं किशोरों पर कनाडा के सामुदायिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आबादी स्वास्थ्य सर्वेक्षण आंकड़े का विश्लेषण किया गया है।

शोधकर्ताओं ने घरों में खाद्यान्न की उपलब्धता का खाद्य-सुरक्षा, आंशिक रूप से खाद्य असुरक्षा, मध्यम रूप से खाद्य असुरक्षा या गंभीर रूप से खाद्य असुरक्षा के रूप में वर्गीकरण किया है। अध्ययन में शामिल किये गए कुल बच्चों/किशोरों में 5,216 (16.1 प्रतिशत) खाद्य-असुरक्षा, 1,952 (छह प्रतिशत) आंशिक रूप से खाद्य-असुरक्षा, 2,348 (7.3 प्रतिशत) मध्यम रूप से खाद्य-असुरक्षा और 916 गंभीर रूप से खाद्य-असुरक्षित पाये गए।

उन्होंने यह भी पाया कि खाद्य असुरक्षा वाले परिवारों में रहने वाले बच्चों एवं किशोरों में गंभीर रोगों का खतरा भी 74 प्रतिशत अधिक होता है और उन्हें मानसिक या मनोविकार के कारण अस्पताल जाने की भी नौबत आ सकती है। इनमें सामान्य तौर पर तंत्रिका विकास से संबंधित रोग, मूड या घबराहट से संबंधित रोग, सामाजिक समस्या और अन्य मानसिक स्वास्थ्य मुद्दे शामिल हैं। कनाडा में वेस्टर्न यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर केली एंडरसन ने कहा, 'घरेलू खाद्य असुरक्षा और मानसिक तथा मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों, इन दोनों स्थितियों में से प्रत्येक में बच्चों और किशोरों के बीच सामाजिक, शैक्षिक और विकासात्मक परिणामों पर नकारात्मक परिणाम पाए गए हैं।'

वेस्टर्न यूनिवर्सिटी में अध्ययन की वरिष्ठ मुख्य लेखक सलीमा शरीफ ने कहा, 'इन नतीजों का अगर विश्लेषण करें तो ये चिंताजनक है और हमें खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे परिवारों की मदद के लिए मजबूत सार्वजनिक नीति लाने की आवश्यकता है।' शोधकर्ताओं ने कहा कि आंकड़ा करीब एक दशक पुराना है और हाल के वर्षों में खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान खाद्य असुरक्षा बढ़ी है। अध्ययन में कहा गया है कि खाद्य असुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बीच संबंध और जटिल हो सकता है।

कार्तिक आर्यन को 'द राइजिंग ग्लोबल सुपरस्टार ऑफ इंडियन सिनेमा अवॉर्ड'

मुंबई (आईएएनएस)। 11 अगस्त को मेलबर्न के 14वें भारतीय फिल्म महोत्सव के वार्षिक पुरस्कार समारोह में बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन को 'द राइजिंग ग्लोबल सुपरस्टार ऑफ इंडियन सिनेमा अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। कार्तिक की उपलब्धियों और भारतीय सिनेमा की दुनिया पर उनके महत्वपूर्ण प्रभाव को मान्यता देते हुए, यह पुरस्कार विक्टोरिया के गवर्नर द्वारा प्रदान किया जाएगा।

कार्तिक ने कहा, मैं इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए विक्टोरियन सरकार और महोत्सव का आभारी हूं और मेलबर्न के 14वें भारतीय फिल्म महोत्सव में इसका जश्न मनाए जाने पर बेहद खुश हूं। अभिनेता ने आगे कहा, भारतीय सिनेमा में अपने काम के लिए यह सम्मान पाना बहुत बड़ा सौभाग्य है। मैंने हमेशा कहानी कहने की शक्ति और दिमाग को प्रेरित करने वाली फिल्मों पर विश्वास किया है। मैं सिनेमा के जादू का एक साथ जश्न मनाने के लिए उत्सुक हूं। यह महोत्सव भारतीय सिनेमा की विविधता और समृद्धि का जश्न मनाता है, भारतीय फिल्म निर्माताओं की प्रतिभा और रचनात्मकता को वैश्विक दर्शकों के सामने प्रदर्शित करता है। इसके अलावा, महोत्सव के हिस्से के रूप में, मेलबर्न का भारतीय फिल्म महोत्सव कार्तिक की फिल्मों की कई स्क्रीनिंग प्रदर्शित करेगा, जिसमें उनकी हालिया सफलता 'सत्यप्रेम की कथा' और ब्लॉकबस्टर 'भूल भुलैया 2' शामिल है, जो 2022 की सबसे बड़ी हिंदी फिल्म बनकर उभरी है। मेलबर्न का 14वां भारतीय फिल्म महोत्सव 11 अगस्त से 20 अगस्त तक होगा।

> **मैंने हमेशा कहानी कहने की शक्ति और दिमाग को प्रेरित करने वाली फिल्मों पर विश्वास किया है। मैं सिनेमा के जादू का एक साथ जश्न मनाने के लिए उत्सुक हूं।**

रणवीर सिंह के टोन्ड एब्स को देख आश्चर्यचकित हुए फैंस

नई दिल्ली (आईएएनएस)। रोमांटिक फैमिली ड्रामा 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' की रिलीज के लिए तैयार एक्टर रणवीर सिंह ने सोमवार को एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह अपने किरदार 'रॉकी रंधावा' की शानदार लाइफस्टाइल की झलक दिखा रहे हैं। वीडियो की शुरुआत

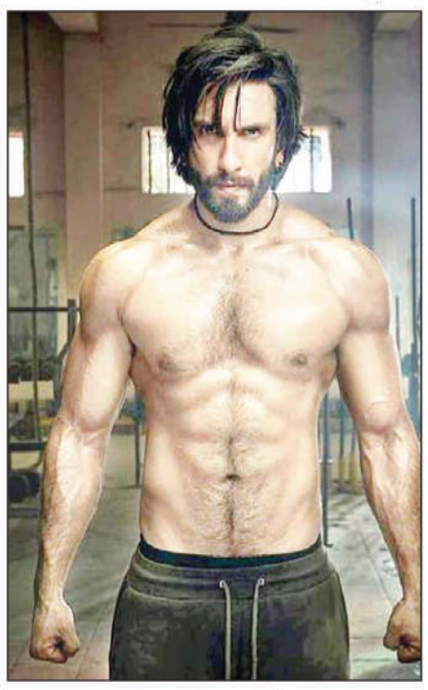

रणवीर उर्फ रॉकी के नसीब मुंडे देसी ट्रैक पर नींद से जागने से होती है। उनके तकिए के कवर पर शुरुआती 'आरआर' छपा हुआ दिखता है। वह जिम करते हैं। इस दौरान क्लोजअप शॉट में उनके टोन्ड एब्स की झलक भी देखने को मिलती है। फिर शावर लेने जाते हैं। 'आरआर' प्रिंट वाले तौलिये से अपनी बॉडी पोछते है। इसके बाद वो अपना वार्डरोब खोलकर अपने डिजाइनर कपड़ों का कलेक्शन भी दिखाते हैं। इसमें कपड़ों के अलावा फुटवेयर और सनग्लासेस भी दिख रहे हैं। इसके बाद वह शीशे के सामने खड़े होकर अपनी मस्कुलर बॉडी को फ्लॉन्ट करते हैं। रणवीर ने वीडियो के कैप्शन लिखाः रॉकी रंधावा की तरफ से मंडे मोटिवेशन! वीडियो ने रणवीर के फैंस को बेहद प्रभावित किया है, भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने कमेंट में फायर इमोजी भेजा है। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' फिल्म में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'ऐ दिल है मुश्किल' के सात साल बाद इस फिल्म के जरिए करण जौहर निर्देशन में वापसी कर रहे हैं। फिल्म 28 जुलाई को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

फिल्मों के बीच तुलना नहीं की जानी चाहिए : सनी देओल

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल का कहना है कि फिल्मों के बीच तुलना नहीं की जानी चाहिए। सनी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म गदर 2 को लेकर चर्चा में है। गदर 2, 11 अगस्त को रिलीज होने जा रही है।

इसी दिन अक्षय कुमार की फिल्म ओएमजी 2 भी रिलीज होने जा रही है। सनी देओल ने गदर 2 और ओएमजी 2 के क्लैश के बारे में पूछे जाने पर कहा, गदरः एक प्रेम कथा और आमिर खान की लगान एक साथ रिलीज हुई थी। मुझे समझ नहीं आता कि लोग फिल्मों की तुलना क्यों करते हैं, जबकि उनके बीच तुलना नहीं हो सकती। फिल्मों की तुलना दूसरी फिल्मों से नहीं की जानी चाहिए। सनी देओल ने कहा, मुझे समझ में नहीं आता कि लोग तुलना क्यों करते हैं। मैं जो कहने की कोशिश कर रहा हूं वह यह है कि जो फिल्म ज्यादा अच्छी होती है फिर भी आप उसकी दूसरी फिल्मों के साथ तुलना करते हो। जिस चीज की बाराबरी नहीं है, उसकी तुलना मत करो। जिन फिल्मों की कोई तुलना नहीं है उन्हें एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा नहीं किया जाना चाहिए।

रोहित शेट्टी के बेटे ईशान करेंगे बॉलीवुड में डेब्यू!

मुंबई, (वार्ता)। जानेमाने फिल्मकार रोहित शेट्टी के बेटे ईशान शेट्टी बॉलीवुड में डेब्यू कर सकते हैं। रोहित शेट्टी के बेटे ईशान अपने पिता की तरह बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। रोहित के बेटे ईशान ने सेंट्रल फिल्म स्कूल जॉइन कर लिया है। रोहित शेट्टी ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बेटे के साथ एक फोटो शेयर की और एक इमोशनल नोट भी लिखा है। फोटो में रोहित अपने बेटे ईशान के साथ सेंट्रल फिल्म स्कूल के सामने पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए रोहित ने लिखा-उसे प्ले स्कूल छोड़ने से लेकर फिल्म स्कूल तक... समय उड़ जाता है।

कंगना ने शेयर की भाभी की गोद भराई की तस्वीर

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपनी भाभी रितु की गोद भराई की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। कंगना रनौत बुआ बनने जा रही हैं। कंगना रनौत के भाई अक्षत रनौत ने तीन साल पहले रितु से शादी की थी। कंगना के घर में किलकारियां गूंजने वाली हैं। कंगना ने भाभी रितु की गोद भराई की तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है। तस्वीरों में कंगना की मां, उनकी बहन रंगोली और भाभी समेत पूरा परिवार नजर आ रहा है। एक तस्वीर में कंगना अपनी भाभी को हार गिफ्ट करती भी नजर आ रही हैं। तस्वीरों को शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, बहुत ही कीमती पल शेयर कर रही हूं। ये रितु रनौत की गोद भराई की फोटोज हैं।

भाग मिल्खा भाग की होगी स्पेशल स्क्रीनिंग

मुंबई (आईएएनएस)। राकेश ओमप्रकाश मेहरा निर्देशित 'भाग मिल्खा भाग', जिसमें फरहान अख्तर ने भारतीय ट्रैक और फील्ड धावक मिल्खा सिंह की भूमिका निभाई थी, ने हाल ही में अपनी रिलीज के दस साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म के निर्माताओं ने अब दिवंगत मिल्खा सिंह के सम्मान में फिल्म की एक स्पेशल स्क्रीनिंग आयोजित करने का फैसला किया है। 2013 में रिलीज हुई इस फिल्म में दिवंगत मिल्खा सिंह की प्रेरणादायक यात्रा को दिखाया गया है, कि कैसे उन्होंने अपने जीवन में भारत के विभाजन के दौरान कम उम्र में अनाथ होने से लेकर अपने आंतरिक संघर्षों से लड़ने, ऊपर उठने और ट्रैक और फील्ड स्प्रिंटिंग की दुनिया में अपने लिए जगह बनाने के लिए कई दर्दनाक लम्हे झेले। अपनी यात्रा के दौरान वह विश्व चैंपियन, ओलंपियन और भारत के सबसे प्रतिष्ठित एथलीटों में से एक बने और 'द फ्लाइंग सिख' की उपाधि अर्जित की। आरओएमपी पिक्चर्स के प्रवक्ता पी.एस. भारती ने कहा, 'भाग मिल्खा भाग' के 10 साल पूरे हो गए।

मराठी फिल्मों के वरिष्ठ अभिनेता जयंत सावरकर का निधन

ठाणे (भाषा)। मराठी और हिंदी फिल्मों के वरिष्ठ अभिनेता जयंत सावरकर का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण सोमवार सुबह यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे।उनके पुत्र कौस्तुभ सावरकर ने यह जानकारी दी। जयंत सावरकर ने मराठी और हिंदी फिल्मों के साथ ही रंगमंच और टेलीविजन जैसे क्षेत्रों में करीब छह दशकों तक अभिनय किया। उनकी चर्चित फिल्मों में 'हरि ओम विट्ठल', 'गड़बड़ गोंधल', '66 सदाशिव' और 'बकाल', 'युगपुरुष', 'वास्तव' और 'सिंघम' आदि शामिल हैं।कौस्तुभ ने कहा, 'करीब 10-15 दिन पहले उन्हें निम्न रक्तचाप के कारण ठाणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कल रात अचानक उनकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के कारण सुबह करीब 11 बजे उनका निधन हो गया।' उनके परिवार में पत्नी, एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं।

क्या अब सचमुच 100,000 वर्षों में सबसे अधिक गर्मी है?

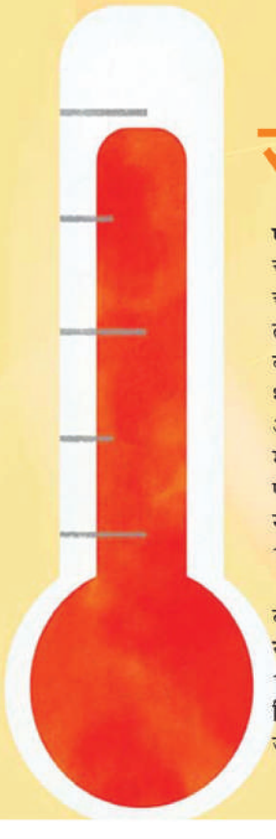

फ्लैगस्टाफ (यूएस) (द कन्वरसेशन)। चूंकि तेज गर्मी पृथ्वी के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले रही है, बहुत से लोग अत्यधिक तापमान को देखते हुए यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि पहले कभी इतना गर्म कब हुआ था? विश्व स्तर पर, 2023 में आधुनिक माप के अनुसार सबसे गर्म दिन देखे गए हैं, लेकिन मौसम केंद्रों और उपग्रहों के अस्तित्व में आने से पहले के बारे में क्या कहा जा सकता है? कुछ समाचार संगठनों ने बताया है कि दैनिक तापमान 100,000 साल के उच्चतम स्तर पर है।

अतीत के तापमान का अध्ययन करने वाले एक पुराजलवायु वैज्ञानिक के मुताबिक यह दावा सही भी हो सकता है, लेकिन 100,000 साल पुराना कोई विस्तृत तापमान रिकॉर्ड नहीं है, इसलिए हम निश्चित रूप से नहीं जानते हैं।

यह एक नई जलवायु स्थिति है

वैज्ञानिकों ने कुछ साल पहले निष्कर्ष निकाला था कि पृथ्वी एक नई जलवायु स्थिति में प्रवेश कर चुकी है जो 100,000 से अधिक वर्षों में नहीं देखी गई थी।

यह निष्कर्ष 2021 में इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) द्वारा प्रकाशित जलवायु मूल्यांकन रिपोर्ट का हिस्सा था। पृथ्वी पूर्व-औद्योगिक काल की तुलना में पहले से ही 1 डिग्री सेल्सियस (1.8 फ़ारेनहाइट) से अधिक गर्म थी, और वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों का स्तर इतना अधिक था कि यह सुनिश्चित हो गया कि तापमान लंबे समय तक ऊंचा रहेगा।

यहां तक कि भविष्य के सबसे आशावादी परिदृश्यों में भी - जिसमें मनुष्य जीवाश्म ईंधन जलाना बंद कर देते हैं और अन्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम कर देते हैं - औसत वैश्विक तापमान कई शताब्दियों तक पूर्व-औद्योगिक काल तापमान से कम से कम 1 डिग्री सेल्सियस ऊपर और संभवतः बहुत अधिक बना रहेगा। यह नई जलवायु स्थिति, जिसकी विशेषता 1 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक के बहु-शताब्दी ग्लोबल वार्मिंग स्तर की है, की तुलना विश्वसनीय रूप से बहुत दूर के अतीत के तापमान पुनर्निर्माण से की जा सकती है।

हम पिछले तापमान का अनुमान कैसे लगाते हैं

थर्मामीटर से पहले के तापमान का पुनर्निर्माण करने के लिए, पुराजलवायु वैज्ञानिक विभिन्न प्राकृतिक अभिलेखों में संग्रहीत जानकारी पर भरोसा करते हैं। कई हजारों वर्षों से चला आ रहा सबसे व्यापक संग्रह झीलों और महासागरों के तल पर है, जहां जैविक, रासायनिक और भौतिक साक्ष्य का वर्गीकरण अतीत का सुराग प्रदान करता है। ये सामग्रियां समय के साथ लगातार बनती रहती हैं और झील तल या समुद्र तल से तलछट कोर निकालकर उनका विश्लेषण किया जा सकता है।ये तलछट-आधारित रिकॉर्ड जानकारी के समृद्ध स्रोत हैं जिन्होंने पुराजलवायु वैज्ञानिकों को पिछले वैश्विक तापमान का पुनर्निर्माण करने में सक्षम बनाया है, लेकिन उनकी महत्वपूर्ण सीमाएं हैं।

हजारों साल पीछे मुड़कर देखें तो पृथ्वी का औसत वैश्विक तापमान लगभग 100,000 वर्षों तक चलने वाले चक्रों में हिमनद और अंतर-हिमनद स्थितियों के बीच उतार-चढ़ाव करता रहा है, जो मुख्य रूप से वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैस सांद्रता में परिवर्तन के साथ पृथ्वी की कक्षा में धीमे और पूर्वानुमानित परिवर्तनों के कारण होता है। हम वर्तमान में एक अंतर-हिमनद काल में हैं जो लगभग 12,000 साल पहले शुरू हुआ था जब बर्फ की चादरें पीछे हट गईं और ग्रीनहाउस गैसें बढ़ गईं।

आईपीसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, उस 12,000 साल की अंतर-हिमनद अवधि को देखते हुए, कई शताब्दियों में औसत वैश्विक तापमान लगभग 6,000 साल पहले चरम पर रहा होगा, लेकिन संभवतः उस बिंदु पर एक डिग्री सेल्सियस ग्लोबल वार्मिंग स्तर से अधिक नहीं था।एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि इंटरग्लेशियल अवधि के दौरान वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि जारी रही। यह सक्रिय शोध का विषय है। इसका मतलब है कि हमें उस समय को खोजने के लिए और पीछे देखना होगा जो शायद आज जितना गर्म रहा होगा।

अब क्या?

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में तेजी से और निरंतर कटौती के बिना, पृथ्वी वर्तमान में सदी के अंत तक पूर्व-औद्योगिक स्तर से लगभग 3 डिग्री सेल्सियस (5.4 एफ) ऊपर और संभवतः काफी अधिक तापमान तक पहुंचने की ओर अग्रसर है। उस समय, हमें गर्म तापमान वाली जलवायु स्थिति खोजने के लिए लाखों साल पीछे देखने की आवश्यकता होगी।

महिला पिंक वेंडिंग जोन पर आपत्ति उठा रहे यूपी सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता के खिलाफ महिला पिंक वेंडिंग जोन की महिलाओं ने किया जोरदार प्रदर्शन

शीघ्र ही बड़ी रणनीति बनाकर उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के अधिकारियों का किया जाएगा घेराव - संजय चोपड़ा

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। हरिद्वार नगर निगम प्रशासन द्वारा विकसित किए गए महिला पिंक वेंडिंग जोन पर आपत्ति उठा रहे यूपी सिंचाई विभाग के खिलाफ लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में रोड़ी बेलवाला स्थित महिला पिंक वेंडिंग जोन के प्रांगण में यूपी सिंचाई विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए मानव श्रृंखला बनाकर महिलाएं व पुरुष (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों ने अपने परिवार के साथ एक दिवसीय धरना देकर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से यूपी सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता की जांच कराकर कठोर कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में भारतवर्ष के

फुटपाथ के कारोबारी रेहड़ी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों के लिए एक दर्जन से अधिक जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है वही यूपी सरकार के मुख्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मेरठ, बरेली, कानपुर, इलाहाबाद, सहारनपुर, वाराणसी, मथुरा, वृंदावन, यूपी इत्यादि महानगरों में केंद्र सरकार के सहयोग से वेंडिंग जोन, हॉकिंग जोन विकसित किए जाने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है वहीं उत्तराखंड में बैठे उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के अधिकारी अपनी मनमानी तुगलकी फरमान जारी कर केंद्र सरकार की योजनाओं की धज्जियां उड़ा रहे हैं जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है उन्होंने कहा सभी रेहड़ी पटरी के लघु व्यापारियों के साथ जनसंपर्क अभियान किया जा रहा है आने वाले दिनों में बड़ी रणनीति बनाकर उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का घेराव कर अपनी न्याय संगत मांगों के लिए चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किए जाएंगे महिला पिंक वेंडिंग जोन के अध्यक्ष पूनम मक्खन ने कहा एक तरफ तो केंद्र और उत्तराखंड सरकार महिला सशक्तिकरण कर महिलाओं को रोजगार के संसाधन उपलब्ध कराने के लिए वर्तक प्रयास कर रही है इसका जीता जागता स्वरूप भारतवर्ष का प्रथम महिला पिंक वेंडिंग जोन जो कि हरिद्वार नगर निगम रुड़की हरिद्वार विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित किया गया है आज पिंक वेंडिंग जोन के माध्यम से सौ परिवार की रोजी-रोटी, बच्चों की शिक्षा व जीविका संचालित हो रही है उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग द्वारा उत्तराखंड की भूमि पर किए जा रहे विकास के कार्यों पर आपत्ति उठाना न्याय पूर्ण नहीं है उन्होंने कहा यदि सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा वेंडिंग जोन पर की जा रही आपत्ति को निरस्त नहीं करता है तो इस पूरे प्रकरण की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिकायत की जाएगी सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश के खिलाफ महिला पिंक वेंडिंग जोन के प्रांगण में आक्रमक नारेबाजी कर जोरदार प्रदर्शन करते लघु व्यापारियों में कामिनी मिश्रा, सीमा देवी, पूनम दुआ, वीरो देवी, पूजा, पुष्पा दास, सुमन गुप्ता, श्रीमती गीता, शांति देवी, सुनीता चौहान, तुलसी, संगीता, पूनम कश्यप, शीला देवी, कमलेश्वर कमल, पंडित नंद किशोर गोस्वामी, नीरज कश्यप, प्रभात चौधरी, वीरेंद्र कुमार, जय सिंह बिष्ट, रणवीर सिंह, अनूप सिंह, चुन्नू चौधरी, बिजेंदर चौधरी आदि सहित धरने प्रदर्शन का संचालन महामंत्री मनोज मंडल, राजेंद्र पाल, राजकुमार एंथनी ने संयुक्त रूप से किया।

सपा ने मनाई फूलन देवी की 22वीं पुण्यतिथि

प्रखर मिजार्पुर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट भवन पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में पूर्व सासंद पूलन देवी की पूण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर कहा कि अत्याचार व शोषण के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने वाली सामाजिक न्याय की योद्वा, समाजवादी पार्टी की पूर्व सांसद स्व. फूलन देवी की आज 22वीं पूण्यतिथि है। उन्होने कहा कि उनका जन्म उत्तर प्रदेश के पूर्वा के गोरहा गांव में अत्यंत निर्धन मछुआरा परिवार में 10 अगस्त 1963 को को हुआ था। 1993 में मा0 मुलायम सिंह यादव की सरकार थी और उन्होने सारे मुकदमे वापस ले लिये थे और

1994 मे उनकी जेल से रिहाई हो गई। 1996 मे पार्टी में आ गई और मा0 नेताजी से मीरजुपर सीट से दो बार सांसद बनाकर संसद में पहुँचाने का काम किया। श्री चौधरी ने कहा कि अन्याय अत्याचार के प्रतिकार से उन्होंने मजबूर होकर वो डाकुओं के गैंग में शामिल हो गईं। अपने ऊपर हुए सभी जुर्मों का बदला लेने के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा और समाजवादी पार्टी से दो बार सांसद बनी। आज ही के दिन 25 जुलाई 2001 को दिल्ली में उनकी हत्या कर दी गई। पूण्यतिथि पर श्रद्वांजलि देने वालो में पूर्व चेयरमैन सहकारी बैंक सुरेन्द्र सिंह पटेल, परवीन बानो रहे।

दो दिवसीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता का हुआ समापन

बनारस के छात्र छात्राओं का रहा दबदबा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। जवाहर नवोदय विद्यालय वाराणसी (गजोखर) में दो दिवसीय क्षेत्रीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता का मंगलवार को सायंकाल में हुआ। प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक प्राप्त कर मेजबान वाराणसी विजेता बना। द्वितीय स्थान मऊ और तृतीय स्थान जवाहर नवोदय विद्यालय हरदोई को प्राप्त हुआ। इस मुकाबले के दौरान उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुल 108 मुक्केबाज आपस में भिड़े । बॉक्सिंग रिंग में एक के बढ़कर एक प्रतियोगिता देखने को मिली। जिसमे वाराणसी के छात्र छात्राओं ने अपने मुक्के के प्रहार से विरोधी को पस्त करते नजर आए। मुक्केबाजी के प्रतियोगिता के समापन की अध्यक्षता करते हुए मेजबान प्राचार्य नागेश कुमार मिश्र ने छात्रों को शुभकामनाएं दी और उन्हें देश का नाम राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर करने के लिए प्रेरित किया। बालक और बालिका दोनो वर्ग में बनारस के मुक्केबाजी का बोलबाला रहा। इसमें मोहित, ओजस्वी, अंशिका आर्या का खेल शानदार रहा। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती पूजा पाल ने किया। इस अवसर पर सभी

अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह और पुष्प गुच्छ देकर किया गया। इस दौरान पर देवेंद्र यादव , यशवंत राम , राजश्री सिंह, स्नेहलता द्विवेदी, वर्षा यादव, ए के चौधरी व दुर्गा प्रसाद उपस्थित रहे।

पेंशन बनाने के बहाने विधवा की हड़प ली डेढ़ बीघा जमीन

डीएम, एसपी और मुख्यमंत्री को प्रार्थना देकर लगाई गुहार

प्रखर जौनपुर। खेतासराय थाना क्षेत्र के अब्बोपुर गांव के अनुसूचित जाति की एक विधवा महिला को आयुष्मान कार्ड,विधवा पेंशन और सरकारी सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए आधा दर्जन जालसाजों ने डेढ़ बीघा से ज्यादा जमीन को हड़प लिया। इस काम मे एक मेडिकल संचालक की भूमिका संदिग्ध है। पीड़िता को जानकारी हुई तो पैरों तले जमीन खिसक गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत उच्चाधिकारियों के यहाँ गुहार लगाई है। बताया जाता है कि उक्त गांव के 75 वर्षीय विधवा कौशलिया देवी प्रायः बीमार रहती है। वह अब्बोपुर बाजार में एक मेडिकल संचालक हरि यादव के यहाँ दवा लेने आती रहती है । आरोप है कि उसने एक बार चार बिस्वा जमीन के लिए अनुनय विनय किया तो हामी भर दी । पीड़िता कौशलिया के अनुसार 28 जून को उनके मायके हैदराबाद पुष्पनगर से उसे सरकारी योजनाओं का लाभ और दवा लेने के बहाने एक बन्द गाड़ी में शाहगंज तहसील ले गए । उसे कई जगह पेपर पर अँगूठा और रजिस्ट्रार कार्यालय ले गया वहाँ बताया गया कि पैसा खाते में पहुँच गया गया है। विधवा पूछती रही कैसा पैसा ? लेकिन जालसाज उसे दिलासा देते रहे कि दवा का पैसा पहुँचा है । एक सप्ताह बाद उसकी एक मात्र विधवा बेटी विधा देवी को जानकारी हुई कि माता कौशलिया देवी ने घर की पूरी जमीन करीब 36 बिस्वा रजिस्ट्री कर दी । तहसील जाकर पता लगाया तो पड़ोस के गांव बहादुरपुर निवासी सौरभ कुमार पुत्र रमेश चन्द्र के नाम से रजिस्ट्री हुई है । उच्चाधिकारियों को लिखे पत्र में पीड़िता ने कहा कि चूंकि वह अनुसूचित जाति से आते है इस वजह से मेडिकल संचालक ने अनुसूचित जाति के लोगों से बैनामा करवाया है । ताकि बाद में यह बैनामा अपने नाम करा लें । अब तहसील में माँ बेटी न्याय के लिए अधिकारियों के यहाँ चक्कर लगाने को मजबूर है । इस सम्बंध में उपजिलाधिकारी शाहगंज शैलेंद्र सिंह से दूरभाष पर संपर्क करने की कई बार कोशिश की गई लेकिन उनका फोन नही उठा ।

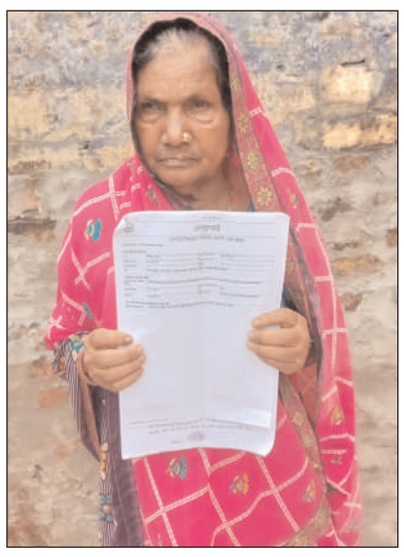

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कुटीर संस्थान के संस्थापक की मनाई गई 117वीं जयंती

प्रखर पराऊगंज जौनपुर। राष्ट्रीय आंदोलन के पुरोधा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कुटीर संस्थान के संस्थापक पंडित अभयजीत दुबे की 117 वॉ जन्म जयंती संस्थान के छात्र छात्राएं तथा शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों द्वारा बड़े धूमधाम से संस्थापक स्मृति सभागार में मंगलवार को मनाई गई। उपस्थित जनों ने संस्थापक जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की इस अवसर पर इंटर कॉलेज के छात्राओं ने रघुपति राघव राजा राम गीत का सामूहिक गायन कर उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर रमेश मणि त्रिपाठी ने संस्थापकजी के साथ अपनी स्मृति को साझा करते हुए कहा कि संस्थापकजी के कार्यों की परिकल्पना आज हम सभी के बीच प्रासंगिक बनी हुई है इनके विचारों पर चलकर हर वर्ग के लोग अपना जीवन बिता सकते है और राष्ट्र धर्म का निर्वहन कर सकते है। संस्थान के प्रबंधक डॉ अजयेन्द्र

कुमार दुबे छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र केवल शिखर की चोटी को ना देखें बल्कि शिखर के चोटी तक पहुंचने का मार्ग खोजें शिक्षा को रेखांकित करते हुए कहा कि बस इसी मे सार है बाकी सब बेकार है। संस्थापक जी की परिकल्पना रही है कि छात्र अच्छी शिक्षा ग्रहण कर अपना भविष्य उज्जवल बना सकता है। प्राचार्य प्रोफेसर राघवेंद्र कुमार पांडे ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र कुमार दुबे ने संस्थापक जी के साथ बिताए हुए अपनी स्मृति को साझा किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाध्यापक चंद्र देव मिश्र डॉ विजय मौर्य कुवर भारत सिंह शिवानंद शुक्ला डॉ. अमरेश कुमार लेफ्टिनेंट डॉ चित्रसेन गुप्त डॉ विनय कुमार पाठक श्रीमती पूनम सिंह ग्रंथाध्यक्ष विद्यानिवास मिश्र आइक्यूएसी संयोजक वाचस्पति त्रिपाठी आशुतोष दुबे लालमणि भारती रत्नाकर पाठक नरेंद्र कुमार पांडे शीला अनुश्री कृष्ण प्रताप दुबे कृष्ण चंद्र पांडे प्रशांत दुबे कृष्ण कुमार मिश्र समेत क्षेत्र के संभ्रांत लोग उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक सम्पन्न

प्रखर मिजार्पुर। मुख्य विकास अधिकारी/ प्रभारी जिलाधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस की अध्यक्षता में जिला निर्यात प्रोत्साहन समिति की कलेक्ट्रेट सभागार, मीरजापुर में बैठक की गयी, जिसमे यहां के निर्यातको ने निर्यात को बढ़ाने के उद्देश्य से अपनी बाते रखी जिसमें मीरजापुर औराई को जोड़ने के लिये गंगा नदी पर फोरलेन पुल का निर्माण तथा मीरजापुर औराई के मध्य माधोसिंह फाटक की जगह फोरलेन ओवर ब्रिज व शहर के नजदीक एक इंडस्ट्रीयल स्टेट बनाने की मांग की गयी तथा नगर की खराब सड़कें व गलियों को बनाने के सम्बन्ध में अपनी बात रखी गयी इस सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि इन सभी माँग पर कार्य किया जा रहा है तथा मीरजापुर / भदोही के कार्पेट को मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल को हटाकर इसको मिनिस्ट्री आफ फाइनेन्स कर दिया गया है। इससे रोटैब लाभ कम मिल रहा है। इसको पुनः सुधारते हुये बढ़ाने की आवश्यकता है। श्री मोहन दास अग्रवाल द्वारा पीतल बर्तन के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि कार्पेट की तरह मेटल में भी टेस्टिंग लेब जनपद मीरजपुर में भी खुलना चाहिये। संयुक्त आयुक्त उद्योग ने सुझाव दिया की मुरादाबाद मेटल उद्योग की तरह यहाँ के

मेटल उद्योग को उत्पाद में बदलाव कर निर्यात सम्बन्धी उत्पाद बनाया जा सकता है। इस पर संयुक्त सचिव श्री आनन्द स्वरूप वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार ने आनलाइन प्रतिभाग करते हुये सुझाव दिया की मीरजापुर को नया एक्सपोर्ट प्लान बना कर उसमें कृषि मेटल पाटरी आदि उत्पाद को जोड़े जा सकते हैं इसके लिये बायर सेलर- मीट का आयोजन किया जाय इन उद्योगों के लिये शहर से हट कर औद्योगिक आस्थान बनाया जाय। चुनार से पाटरी उद्योग के उद्यमी श्री अवधेश वर्मा ने अवगत कराया कि पाटरी उद्योग वर्ष 1990 से बन्द हो गया है जिसको पुनः चलाने की आवश्यकता है। यहां पर लगभग 200 इकाइयाँ कार्यरत है।

इस पर संयुक्त सचिव ने निर्देशित किया की मीरजापुर जनपद का नये तरीके से डिस्ट्रिक एक्सपोर्ट हब प्लान बनाया जाय जिसमें कार्पेट उद्योग के अलावा मेटल उद्योग, पाटरी उद्योग, बलुआ पत्थर उद्योग तथा लकड़ी के खिलौने अन्य को भी सम्मिलित किया जाय डी०जी० एफ०टी० के श्री राजीव कुमार सोनी ने मीरजापुर एक्सपोर्ट हब प्लान को पुनः विस्तार करने पर सुझाव दिया। उन्होंने निर्यात सम्बन्धी योजनाओं को विस्तार से चर्चा किया तथा मीरजापुर को टाउन आफ एक्पोर्ट एक्सीलेन्ट के अन्तर्गत जनपद के विकास हेतु फंड रिलीज करने का निवेदन किया। इस बैठक में मा० केन्द्रीय मंत्री वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल के निजी सचिव श्री डॉ. महेन्द्र कुमार ने भी आनलाइन बैठक में भाग लेते हुये मीरजापुर को निर्यात हेतु अपनी सुझाव दिया गया है। इस बैठक में संयुक्त आयुक्त उद्योग श्री विरेन्द्र कुमार, मे० ओ०बी०टी० के निदेशक श्री राजेश कुमार, निर्यातक श्री अनिल कुमार सिंह, निर्यातक श्री अधिराज दत्ता, निर्यात श्री सर्फराज अहमद, उद्यमी श्री आशिष बुदिया आई०आई० अध्यक्ष श्री मनोज खण्डेलवाल, श्री मोहनदास अग्रवाल, आई०आई० टी०सी० से श्री एस0के0 पाण्डेय, पाटरी उद्यमी श्री अवधेश वर्मा, अहरौरा से लकड़ी के खिलौने के उद्यमी श्री विजय तथा जनपद के निर्यात व उद्यमी उपस्थित थे।

दिव्य श्री राम कथा की अमृत वर्षा का आयोजन

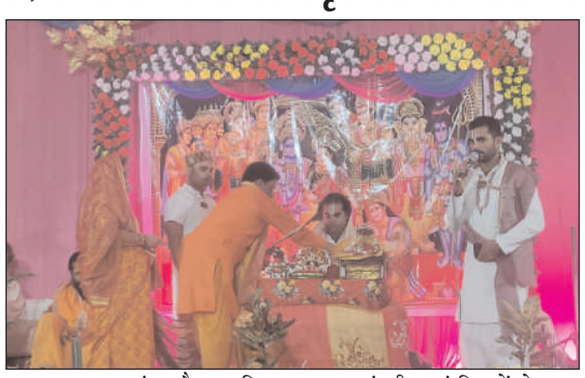

प्रखर पराऊगंज जौनपुर। दिव्य श्री राम कथा की अमृत वर्षा का आयोजन चँवरी बाजार मे आयोजित सात दिवसीय श्रीराम कथा के चौथे दिवस के अवसर पर श्री राम जन्मोत्सव संगीतमय श्री राम कथा का भाव बोध कराते हुए नैमिषारण्य से पधारे व्यासपीठ संदीप कृष्ण महाराज ने श्री राम जीवन को रेखांकित करते हुए बताया कि मानस रत्नों का भंडार है। जिस समाज में माल्यवंत जैसे वृद्धों का अपमान होता है वहां रावण राज्य आ जाता है, जिस राज्य में सुमंत जैसे मंत्री का सम्मान होता है वहां रामराज्य होता है। श्रीरामचरितमानस का बोध कराते हुए कहां की जहां विचारों से काम नहीं होता है वहां लंका कांड होता है, जहां विचारों से काम होता है वहा सुंदरकांड होता है। कथा में श्री राम जन्म उत्सव का अलौकिक दृश्य उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंचस्थ व्यासपीठ का अभिनंदन कथा के आयोजक सुभाष चंद्र सेठ ने किया। इस अवसर पर रुकमणी सोनी कांति सोनी मधुरा सोनी कविता सोनी तिलकधारी यादव भावेश सोनी विपुल सोनी लक्ष्मी शंकर यादव यतन यादव राधेश्याम गुप्ता समेत सैकड़ों श्रद्धालु जन उपस्थित रहे आरती बंदन सुभाष चंद सेठ ने किया।

संक्षिप्त खबरें

जिला समाज कल्याण विभाग के साथ मिलकर शहर में द मर्सी क्लब ने किया पौधारोपण

प्रखर जौनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा अनुसार जिले में वृहद रुप से पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। इसी के मद्देनजर आज शहर के चहारसू चौराहा, किला रोड, सद्भावना पुल पर दर्जनों पेड़ जिला समाज कल्याण अधिकारी और उनके टीम के साथ मिलकर जिले की अग्रणी संस्था द मर्सी क्लब ने किया। इस मौके पर नगर अध्यक्ष अब्दुल सलाम ने बताया की हमारी टीम शहर में लगातार पौधारोपण का कार्य कर रही है अभी तक शहर के अंदर सैकड़ों पौधे लगाया जा चुके है। द मर्सी क्लब के चेयरमैन एजाज अहमद ने बताया की पौधारोपण के साथ साथ उनकी टीम उसके संरक्षण पर भी पूरा ध्यान दे रही है,ताकि एक भी पौधा खराब न होने पाए,उनको जाली लगवाने का काम भी जारी है। उक्त अवसर पर समाज कल्याण विभाग से महिला शक्ति की टीम नीता वर्मा, बबिता, प्रतिमा सिंह के साथ क्लब के कार्यकारी सदस्य राजेश सिंह, रियाजुल हक, कलीम सिद्दीकी, मोहमद खालिक, मनोज सेठ, शब्बीर हैदर, जय सिंह राजपूत, फिरोज, सब्बीर, शोभना स्मृति, राखी सिंह आदि लोग मौजूद रहें।

नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने निर्माण और कर विभाग के साथ की बैठक

प्रखर मिजार्पुर। नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने सोमवार की शाम गुडहट्टी स्थित कैंप कार्यालय निर्माण और कर विभाग के अधिकारियो और कर्मचारियों के साथ बैठक की।इस बैठक में नपाध्यक्ष ने कर विभाग के दिए गए लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा की।उन्होंने फील्ड में निकलने वाले कर्मचारियों को कर वसूली में तेजी लाने के साथ ही बड़े बकायेदारों को चिन्हित कर नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।इसके साथ ही जिन भवनों पर अभी तक कर नही लगा है,उन भवनों को चिन्हित कर कर निर्धारण करने के लिए भी निर्देशित किया।पालिका क्षेत्र में जिन भवनों पर मूल्यांकन शून्य है,उनका सर्वे कर भी कर लगाने के लिए पालिकाध्यक्ष द्वारा निर्देशित किया।नपाध्यक्ष ने मीडिया के माध्यम से जनता से अपील की है अपने गृह और जल कर को समय से भुगतान करे,जिससे नगर के विकास कार्य के साथ जनहित कार्यों में सहयोग मिल सके।निर्माण विभाग के बेलदारों का परिचय प्राप्त करने के साथ ही उनके समस्याओं के बारे में भी पूछा।उन्होंने सभी बेलदारो को कार्य में तत्परता लाने के साथ ही ईमानदारी से कार्य करने के लिए निर्देशित भी किया।इस मौके पर कर निर्धारण अधिकारी अरविंद यादव,अवर अभियंता सुनील मौर्या,कर अधीक्षक सरतेंदु सिंह,राजस्व निरीक्षक अनिल जायसवाल,राजित यादव,संजय पटेल,सौरभ कुमार,सुरेंद्र पाल सहित पालिका अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बलुआ घाट पर वीरांगना बहन फूलन देवी का शहादत दिवस पर दी श्रद्धांजलि

प्रखर रामनगर वाराणसी। बलुआ घाट पर मां गंगा निषादराज जन एकता समिति के द्वारा वीरांगना बहन फूलन देवी का शहादत दिवस पे उनको श्रंधाजली एवम शोकसभा का आयोजन किया गया। बबलू साहनी, सनोज साहनी, आकाश साहनी, दिनेश साहनी, रमेश साहनी, जेपी साहनी, बिस्सू साहनी, लोसी साहनी, लवकुश साहनी, मोहित साहनी, सित्तू साहनी, सुरेश साहनी, गोरख साहनी, सागर निषाद समस्त सदस्य गण उपस्थित थे।

पशु तस्करी का फरार अभियुक्त में से सूरज गिरफ्तार

रसड़ा, बलिया। अधीक्षक एस0 आनन्द के सख्त निर्देशन में अपराध नियत्रंण व संदिग्ध,वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पूरे ज़िले में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना रसड़ा प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार सिंह के नेतृत्व में शनिवार को उ.नि0 सुरजीत सिंह अपने हमराहियों संग थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 203/23 धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रुरता निवारण अधि0 से सम्बन्धित वाँछित अभियुक्त सूरज कुमार पुत्र लाला राम उर्फ मुन्ना राम निवासी भलुई डीह दनियालपुर थाना सरायलखंसी (मऊ) को उसके घर पर दबिश देकर गिरफ्तार कर चालान न्यायालय कर दिया है। इस गिरफ्तारी पुलिस टीम में उ.नि. सुरजीत सिंह व सहयोगी पुलिस कर्मी हे.का. अरविन्द तिवारी,का. दिग्विजय सिंह पटेल व का. कृष्ण कुमार यादव थाना रसड़ा शामिल रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं